RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7
अर्जुन ने जान्हवी को बताया..

वर्ष : 26 अंक : 340 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 01 दिसंबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

भीषण सड़क हादसा: ट्रक ने कार को मारी टक्कर, 5 लोगों की मौत

अंबिकापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला में अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 पर उदयपुर के पास भीषण सड़क हादसा हुआ है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। रायपुर से अंबिकापुर की ओर जा रही कार को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार के परखचे उड़ गए। कार सवार चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने उदयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दम तोड़ दिया। घटना आज सुबह की है।

बताया जा रहा है कि ट्रक अंबिकापुर से बिलासपुर की ओर जा रहा था। कार चालक रायपुर से अंबिकापुर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान उदयपुर अदानी गेस्ट हाउस के पास आमने-सामने दोनों की जबरदस्त टक्कर हो गई।

हादसे के बाद ट्रक चालक ने भागने की कोशिश की, उसके ट्रक को पीछे किया तो कार और भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार के परखचे उड़ गए और उसमें सवार लोग कार में ही बुरी तरह से दब गए। जिससे सभी लोगों की मौत हो गई।

कार में सवार पांचों लोग चंगोराभाठा रायपुर के रहने वाले हैं, वह घर से जगदलपुर जाने की बात कहकर निकले थे, उनका प्लान अचानक सरगुजा जिला के मैनपाट में जाने का हो गया, इसी दौरान उदयपुर अदानी गेस्ट हाउस के पास हादसा हो गया। कार में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई।

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि थाना प्रभारी कुमारी चंद्राकर को अपनी टीम के साथ कार में फंसे शवों को निकालने के लिए कटर का सहारा लेना पड़ा। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई है। रेस्क्यू कार्य अभी भी जारी है।

इस भीषण सड़क हादसे में कार में सवार दिनेश साहू, संजीव, राहुल, दुष्यंत, स्वप्निल की मौत हुई है। इन सभी युवकों की उम्र 25 से 35 वर्ष के बीच की थी। पुलिस ने परिजनों को इस हादसे की खबर दे दी है, वह रायपुर से उदयपुर के लिए रवाना हो गए है।

ओवैसी ने बदायूं की मस्जिद को लेकर सरकार पर बोला हमला

बदायूं (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल के बाद बदायूं की जामा मस्जिद का मामला भी अब चर्चा में आने लगा है। संभल में हुई हिंसा के बाद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बदायूं की मस्जिद को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आने वाली नस्लों को एआई की पढ़ाई के बजाय एएसआई की खोदाई में व्यस्त कर दिया जा रहा है।

असदुद्दीन ओवैसी ने एक्स पर लिखा है कि बदायूं की जामा मस्जिद को नीलकंठ महादेव का मंदिर बताकर कोर्ट में वाद दायर किया गया था। यह मामला कोर्ट में चल रहा है।

शनिवार को इस मामले में सुनवाई हुई थी। इसमें इंतजामिया कमेटी के पक्ष की तरफ से शनिवार से बहस शुरू की गई है। हाल ही में संभल की जामा मस्जिद पर सर्वे को लेकर हुई हिंसा के बाद बदायूं कोर्ट में इस मामले की पहली सुनवाई हुई थी।

इसी के चलते असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को अपने हैंडल पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि बदायूं की जामा मस्जिद को भी निशाना बनाया जा रहा है। अदालत में वर्ष 2022 में कैसे किया गया था और उसकी अगली सुनवाई तीन दिसंबर को होगी।

उन्होंने लिखा है कि एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) जो भारत सरकार के तहत काम करती है, और उत्तर प्रदेश सरकार भी केस में पार्टी है। दोनों सरकारों को 1991 एक्ट के अनुसार अपनी बात रखनी होगी। हिंदुत्ववादी तंजीमें किसी भी हद तक जा सकती हैं। उन पर रोक लगाना भारत के अमन के लिए बहुत जरूरी है।

कड़ी सुरक्षा में जामा मस्जिद में दाखिल हुई न्यायिक आयोग की टीम

संभल (एजेंसी)। संभल जिले में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर भड़की हिंसा की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग की टीम रविवार को हिंसाग्रस्त इलाके का दौरा कर रही है। टीम ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद जामा मस्जिद के अंदर जाकर स्थिति देखी। इस हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गई थी और 19 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

ईएसआईसी अस्पताल में बढ़े 50 नए बिस्तर

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल में एक 17 वर्षीय लड़के की मौत हो गई। इस मामले के बाद ईएसआईसी अस्पताल ने मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुविधाएं बढ़ाने का फैसला लिया गया है। अस्पताल प्रशासन ने हाल ही में 50 नए बिस्तर लगाए हैं। जिससे अब अस्पताल में कुल बिस्तरों की संख्या 350 हो गई है। इस कदम से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

अस्पताल की प्रवक्ता डॉ.सोना बेदी ने बताया कि रोजाना औसतन 1800 से 2000 मरीजों की ओपीडी होती है। जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है।

मरीजों की संख्या में इस इजाफे के चलते अस्पताल पर दबाव बढ़ गया था। पहले जहां 300 बिस्तर थे, वहां अब 350 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध हो गई है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में आईसीयू और नियोनेटल आईसीयू की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। जिससे गंभीर मरीजों का बेहतर इलाज किया जा सकेगा।

अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण कई बार एक ही बिस्तर पर दो मरीजों को भर्ती करने की स्थिति आ जाती थी। जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी उठानी पड़ती थी। नए बिस्तरों की व्यवस्था से अब ऐसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा और अधिक मरीजों को समय पर इलाज मिल सकेगा। डॉ.सोना बेदी ने बताया कि मरीजों की सुविधा को ज्यादा बेहतर बनाने के लिए डॉक्टरों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है।

बिजली निजीकरण के खिलाफ 6 को आंदोलन

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में बिजली निजीकरण के फैसले के खिलाफ 6 दिसंबर को देशभर के बिजली कर्मचारी और इंजीनियर के प्रस्तावित आंदोलन में राज्य कर्मचारी भी शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ ने बिजली कर्मचारियों एवं इंजीनियर की संयुक्त संघर्ष कमेटी के आंदोलन का समर्थन किया है।

उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महाससंघ के जिला अध्यक्ष अफीफ सिद्दीकी ने बयान जारी कर बताया कि नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी आफ इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज एंड इंजीनियर (एनसीसीओईई) ने प्रदेश सरकार के वाराणसी व आगरा विधुत वितरण निगम और चंडीगढ़ पावर डिपार्टमेंट को निजी हाथों में सौंपने के खिलाफ 6 दिसंबर को देशभर में विरोध प्रदर्शन करने का फैसला लिया है।

इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (ईईएफआई) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं एनसीसीओईई के वरिष्ठ सदस्य सुभाष लांबा ने प्रदेश सरकार व चंडीगढ़ प्रशासन को चेतावनी दी। कहा कि अगर बिजली कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के लोकतांत्रिक तरीके से किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों की अनदेखी कर जल्दबाजी में निजीकरण के फैसले को अमलीजामा पहनाने का प्रयास किया तो जिस दिन निजी कंपनी टेकओवर करेगी।

किसानों के साथ तीनों प्राधिकरण, डीएम और पुलिस की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर के किसानों और अधिकारियों के बीच हाईलेवल बैठक हुई। इस बैठक में गौतमबुद्ध नगर के एडिशनल सीपी शिवहरि मीणा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी और नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। यमुना प्राधिकरण की तरफ से आईएएस अधिकारी श्रुति बैठक में शामिल हुई। इसके अलावा डीएम मनीष कुमार वर्मा भी इस बैठक में मौजूद रहे। किसानों का प्रतिनिधित्व रुपेश वर्मा, सुनील फौजी और सुखबीर खलीफा कर रहे हैं।

किसानों का साफ कहना है कि अगर इस बैठक में उनकी मांगों को नहीं माना गया तो सोमवार (2 दिसंबर) को दिल्ली कूच करेंगे। अधिकारी चाहते हैं कि किसानों का आंदोलन यही पर समाप्त हो जाए। जबकि किसान अपनी मांगों पर अडिग है। किसानों का साफ कहना है कि मांग पूरी होने के बाद ही आंदोलन को समाप्त किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बाद अब यमुना प्राधिकरण पर किसानों का दिन-रात आंदोलन चल रहा है। इस बैठक के नतीजे का इंतजार लाखों लोगों को है। मतलब जिले के अफसरों के पास केवल आज का समय है। अगर किसानों की बात और मांगों को नहीं माना गया तो कल दिल्ली की तरफ कूच करेंगे।

गोरखपुर में बन रहे हाईवे के लिए 4 गुना मुआवजा दिया गया। जबकि गौतमबुद्ध नगर को चार गुना मुआवजे के लाभ से वंचित रखा गया है। इसके अलावा 10 साल से सर्किल रेट भी नहीं बढ़ा है। नए कानून के लाभ जिले में लागू करने पड़ेंगे। किसानों की प्रमुख मांगों में 10 फीसदी विकसित भूखंड, हाई पावर कमेटी की सिफारिशों और नए भूमि अधिग्रहण कानून के लाभ दिया जाना शामिल है। ये सारे निर्णय शासन स्तर पर लिए जाने हैं।

16 हजार बच्चे मुफ्त में लेंगे इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सत्र 2025-26 के लिए निशुल्क शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत आवेदन प्रक्रिया 1 दिसंबर (रविवार) से शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया चार चरणों में पूरी होगी और 27 मार्च 2025 को समाप्त होगी।

इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को निजी स्कूलों की 25 प्रतिशत सीटों पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि इस वर्ष करीब 1037 निजी स्कूलों में आरटीई के तहत 16,000 से अधिक सीटें आरक्षित की गई हैं। इन सीटों पर दाखिला आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए सुनिश्चित किया जाएगा। सभी आवेदन और दाखिले संबंधित नियमों के साथ शर्तों के आधार पर किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पहला चरण 1 दिसंबर 2024 से 19 दिसंबर 2024 तक होगा। दूसरा चरण 1 जनवरी 2025 से 19 जनवरी 2025 तक, तीसरा चरण 1 फरवरी 2025 से 19 फरवरी 2025 तक और चौथा चरण 1 मार्च 2025 से 19 मार्च 2025 तक होगा।

एमिटी विश्वविद्यालय में भव्य दीक्षांत समारोह का शुभारंभ

भारत वर्ष 2047 तक महाशक्ति और एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा : डा अशोक कुमार

नोएडा (चेतना मंच)। छात्रों के लिए डिग्री प्राप्त करना एक सुखद क्षण होता है जब उन्हे स्वंय द्वारा की गई मेहनत का परिणाम प्राप्त होता है। इसी प्रसन्नता का साक्षी बनाते हुए एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ आज एमिटी विश्वविद्यालय परिसर में त्रिदिवसीय दिवसीय 30 नवंबर से 02 दिसंबर तक भव्य दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया गया। इस दीक्षांत समारोह में एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा अशोक कुमार चौहान, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तरप्रदेश के चांसलर डा अतुल चौहान, एमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा के चांसलर डा असीम चौहान और एमिटी विश्वविद्यालय उत्तरप्रदेश की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला द्वारा डिग्री प्रदान की गई।

विदित हो कि इस 3 दिवसीय में कुल 18,992 प्रबंधन, इंजिनियरिंग एंव टेक्नोलॉजी, एलाइड सांइसेस, कृषि, रिहेबिलिटेशन सांइसेस, कानून, पत्रकारिता, जनसंचार, फाइन आर्टस, परफार्मिंग आर्ट आदि के छात्रों को डिग्री प्रदान की जायेगी।

इस अवसर पर भारत सरकार के सचिव और परमाणु उर्जा आयोज के चेसरमैन डा अजित कुमार मोहंती और अपोलो हॉस्पीटल एंटरप्राइजेस (शेष पृष्ठ-3 पर)

स्कूलों में भारत स्काउट और गाइड की बीएसजी ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा

गौतमबुद्धनगर (सूवि.)। प्रादेशिक मुख्यालय लखनऊ एवं जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर/ अध्यक्ष भारत स्काउट और गाइड मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में व जिला विद्यालय निरीक्षक डा0 धर्मवीर सिंह व उपाध्यक्ष भारत स्काउट एवं गाइड के निर्देशन में बिहारी लाल इंटर कॉलेज दनकौर, एसएस पब्लिक स्कूल नोएडा, आरवी नार्थलैण्ड स्कूल दादरी, आक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल सिरसा व खेडा, ऐस्टर पब्लिक स्कूल, नोएडा एक्सटेशन सहित आदि सेन्टरों पर प्रादेशिक बीएसजी ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन संपन्न हुआ।

आयोजित प्रतियोगिता जिला मुख्यायुक्त डा0 राकेश कुमार राठी, जिला आयुक्त स्काउट बिजेन्द्र सिंह, जिला सचिव पुष्पेन्द्र सिंह, जिला कमिश्नर (गाइड) देवकी, जिला संगठन आयुक्त स्काउट शिव कुमार, जिला संगठन कमिश्नर गाइड शैफाली गौतम, विकास कुमार, जयप्रकाश, कविता के नेतृत्व में संपन्न हुई।

प्रतियोगिता में जीआर ग्लोबल पब्लिक स्कूल, आरवी नॉर्थलैंड पब्लिक स्कूल, कुमारी मायावती राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, जागरण पब्लिक स्कूल नोएडा, एसएस पब्लिक स्कूल नोएडा, नवजीवन इंटर कॉलेज भंगेल, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल नोएडा एक्सटेंशन, एस्टर पब्लिक स्कूल नोएडा एक्सटेंशन, मंथन पब्लिक स्कूल गौर सिटी, ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल सिरसा, ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल खेड़ा, (शेष पृष्ठ-3 पर)

सियासी जमात

शीतकालीन सत्र के मुआवजे में जी रही क्षेत्रीय राजनीति के केंद्र में हर सरकार की समीक्षा तय है और इसीलिए मुद्दे जब मुद्दई बनते हैं तो यथार्थ की कलई खुल जाती है। हिमाचल का राजनीतिक वास्तुशिल्प कुछ इस तरह बनता जा रहा है कि सत्ता अपनी बिसात की प्रदक्षिणा करती है। इसी संदर्भ में केंद्रीय विश्वविद्यालय के जिन्न हमेशा सियासी जमात से रू-ब-रू होते हैं। इस बार शांता कुमार ने पहल करते हुए केंद्रीय विश्वविद्यालय के विषय पर राज्य सरकार की मंशा को मरोड़ा है। सवाल देहरा और धर्मशाला के बीच कई बार बंटा, टूटा या मनहूस हुआ, लेकिन सत्य की तस्वीर यह है कि जदरांगल परिसर के आबाद होने से पहले राजनीतिक दीवरें ऊंची होती चली गईं। 'कफन पहने तेरा शृंगार होता रहा उम्मीद से, कि कल जब जंजीरें टूटेंगी तो तेरी हस्ती होगी।' धर्मशाला में पंजीकृत केंद्रीय विश्वविद्यालय का पात्र तो नहीं मिला, लेकिन कुपात्र इसकी स्थापना से ही इस कोशिश में रहे कि धर्मशाला का दावा बिक जाए। यह पहला ऐसा जिला मुख्यालय है जो भले ही आजादी से पूर्व अपनी बेहतर शिक्षा व चिकित्सा सुविधाओं के लिए तत्कालीन पंजाब के एक बड़े हिस्से को संबोधित करता था, लेकिन आज पहले मेडिकल कालेज की पृष्ठभूमि को छीना गया और बाद में छीना-झपटी में केंद्रीय विश्वविद्यालय का वजूद छलनी हो गया। कई विधायक, कई मुख्यमंत्री, कई केंद्रीय हस्तियां और कई सरकारों के ओहदेदार, जदरांगल के हमाम में नंगे हैं। ऐसे में शांता कुमार ने सूई चुभोई तो जख्म केवल कांग्रेस की राज्य सरकार को ही नहीं होंगे, बल्कि उनके अपने यानी भाजपा के दावे भी कसूरवार हैं। एक दशक गुजर गया इस बेशर्मी को ओढ़े जो सरासर राजनीति का घिनौना खेल साबित हुई। इसी हिमाचल में कुछ ऐसी इमारतें बनी हैं और स्वयं हाईकोर्ट भवन का नक्शा गगन चूम रहा है, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला परिसर को कोलकाता व दिल्ली की कई सख्त परीक्षाओं से गुजरना पड़ा। लानतें ऐसी कि एक पूर्व भाजपा मंत्री ने पूरे धर्मशाला को नाकाबिल और भौगोलिक दृष्टि से अति कमजोर तक बता दिया, लेकिन महाशय अब न जमीन पर रहे और न ही राजनीति के। आश्चर्य यह कि कांगड़ा का एक हिस्सा हमीरपुर की ताकत बन गया और इस तरह शांता बनाम धूमल और बाद में वीरभद्र बनाम धूमल या अब जयराम ठाकुर बनाम सुखविंदर सुक्खू के बीच धर्मशाला का परिसर झूल रहा है। कायदे से सत्ता में आते ही वर्तमान सरकार तीस करोड़ जमा करा देती, तो आज न्याय की पुकार शांता कुमार को उद्वेलित न करती, मगर यहां तो बार-बार जनांदोलनों को ठुकरा कर धरती की छाती चीर दी जाती है। शांता कुमार ने देहरा बनाम धर्मशाला नहीं किया, फिर भी जब यह पूछा कि वहां की विधायक अगर तीन सौ करोड़ की प्रगति ला सकती हैं, तो जदरांगल परिसर के लिए तीस करोड़ की कंजूसी क्यों। यह राजनीतिक बयान हो सकता है, लेकिन तथ्यों से परे नहीं है, क्योंकि तीस करोड़ जमा होते ही 250 करोड़ का परिसर खड़ा होगा। इस तरह की छीना-झपटी ने शिक्षा के प्रति राजनीतिक असंवेदना का परिचय तो दिया है और जदरांगल परिसर को लूटने वाले कई किरदार दोनों तरफ मिल जाएंगे। ऐसे में राज्य के वरिष्ठ मंत्री चौधरी चंद्र कुमार जब यह पूछते हैं कि शांता कुमार ने अपने दौर में धर्मशाला केंद्रीय विश्वविद्यालय के पक्ष में क्या किया, तो पूर्व मुख्यमंत्री को भी बयानों से हटकर हकीकत की खतोकिताबत में कुछ पन्ने दर्ज करने होंगे। यह सही है कि धर्मशाला परिसर की वकालत में चंद्र कुमार, चंद्रेश कुमारी और सुधीर शर्मा न केवल मुखर रहे, बल्कि अगर ये नेता नहीं होते तो चिराग लेकर ढूंढने पर भी नक्शे में जदरांगल परिसर का नाम न होता। खैर अब कांग्रेस बदल गई है। कांग्रेस की वह सत्ता तो कतई नहीं जिसने शिमला के बाद धर्मशाला को दूसरी राजधानी का दर्जा दिया था। वीरभद्र सिंह के बाद कांग्रेस का खेल तमाशा बदला है, फिर भी तपोवन में चार दिन की चांदनी से कुछ अहम सवालों की अहमियत में एक ऐसा हिमाचल दिखाई देता है, जिसके प्रति सरकारों की जवाबदेही बदल जाती है। यह दीगर है कि धर्मशाला में सरकार के मिनी सचिवालय से अब सरकार गायब है और मुख्यमंत्री का कार्यालय देहरा में खुल चुका है, लेकिन अगर शांता कुमार सरीखा एक पूर्व मुख्यमंत्री कुछ पूछ रहा है, तो सवाल राजनीतिक खंडहरों में दफन नहीं होते। अंत में एक सुझाव यह हो सकता है कि देहरा में केंद्रीय विश्वविद्यालय की चारदीवारी के बदले जदरांगल की पूरी जमीन को आईटी पार्क में बदल दिया जाए।

राहुल गांधी को राजनीति के कुछ सबक सीखने होंगे

कांग्रेस की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। महाराष्ट्र के नतीजे इसी बात को रेखांकित कर रहे हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस न तो भारतीय जनता पार्टी को टक्कर दे पा रही है और न ही देशहित के प्रभावी मुद्दे उठा पा रही है। देश में कॉर्पोरेट विरोधी जो एकसूत्री एजेंडा राहुल ने अपनाया है, या संविधान-रक्षा एवं धर्म-निरपेक्षता के नाम पर एक सम्प्रदाय-विशेष की जो राजनीति वह कर रहे हैं, उसके सकारात्मक परिणाम नहीं आ रहे हैं, उनके इन मुद्दों के पक्ष में वोट नहीं मिले हैं। निश्चित ही राष्ट्रीय राजनीति में अगर कोई एक चीज है, जो नहीं बदली है, तो वह है भाजपा को मात देने में कांग्रेस की अक्षमता। भाजपा से सीधी टक्कर में कांग्रेस की हार का औसत प्रतिशत बढ़ता ही जा रहे हैं। अब तो कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोग दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। कांग्रेस के लिये जटिल से जटिलतर होते हालातों में केरल के वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा की 4.1 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हुई भारी जीत कांग्रेस पार्टी के लिये एक उत्साहजनक संदेश हो सकता है। निश्चित रूप से प्रियंका के राजनीतिक जीवन और कांग्रेस पार्टी के लिये यह एक महत्वपूर्ण क्षण है, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व पर लगा अक्षमता एवं अपरिपक्व राजनीति का दाग इससे कैसे कम हो सकता है?

राहुल गांधी संसद के बाहर और भीतर दोनों जगह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर पूरी तरह हमलावर रहते हैं, वे गैर-जरूरी मुद्दों को लेकर अक्सर संसद की कार्रवाई को बाधित करते हैं। अडाणी एवं कॉर्पोरेट विरोधी उनका एजेंडा देश की अर्थ-व्यवस्था के लिये कितना नुकसानदायी साबित होता रहा है, देश की जनता ने इसे महसूस किया है। राहुल दस साल से यह गलती कर रहे हैं और उनकी पार्टी इसकी कीमत चुका रही है। कांग्रेस और विशेष रूप से उसके नेता राहुल गांधी न जाने कब से अदाणी समूह को कोस रहे हैं। एक अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद वह हाथ धोकर इस समूह के पीछे पड़ गए हैं, लेकिन शायद वह यह देखने से इन्कार कर रहे हैं कि इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल कांग्रेस के इस रवैये से सहमत नहीं है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे ऐसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं।

ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे

हर जगह कांग्रेस अपने मजबूत सहयोगियों के बूते सीटें जीतने में कामयाब रही है। ओडिशा में कांग्रेस का वजूद खत्म हो चुका है। एक वक्त में पूर्वोत्तर के राज्यों में कांग्रेस का दबदबा था, लेकिन अब वहां भाजपा छाई हुई है।

को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं? यदि राहुल गांधी को यह लगता है कि अदाणी समूह दागदार है तो वह अपनी सरकारों को उससे कोई नाता न रखने के लिए क्यों नहीं कह पा रहे हैं? यह समझना भी कठिन है कि कांग्रेस अमेरिकी अदालत के आकलन को अंतिम सत्य की तरह क्यों ले रही है और वह भी तब, जब उसने रिश्वत के कथित लेन-देन के कोई प्रमाण नहीं पेश किए हैं?

नेशनल हेराल्ड मामले में जमानत पर चल रहे राहुल गांधी अपनी इस आक्रामकता से हासिल क्या करना चाहते हैं। विडम्बना देखिये कि संयुक्त अरब अमीरात, तंजानिया और श्रीलंका जैसे देश अदाणी समूह पर अमेरिकी अदालत की टिप्पणी को महत्व नहीं दे रहे हैं, लेकिन भारत में कांग्रेस के नेता और कुछ अन्य लोग उसे बिनी किसी जांच-पड़ताल दंडित करने को उतावले हैं। यह उतावलापन इसलिए भी ठीक नहीं, क्योंकि निवेशक अदाणी समूह पर भरोसा जता रहे हैं और इसी कारण उसके शेयरों में तथाकथित अमेरीकी कार्रवाई से भारी गिरावट के बाद पुन: तेजी देखने को मिल रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे? वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है।

हर जगह कांग्रेस अपने मजबूत सहयोगियों के बूते सीटें जीतने में कामयाब रही है। ओडिशा में कांग्रेस का वजूद खत्म हो चुका है। एक वक्त में पूर्वोत्तर के राज्यों में कांग्रेस का दबदबा था, लेकिन अब वहां भाजपा छाई हुई है। जबकि इन राज्यों की डेमोग्राफी कांग्रेस के पक्ष में हैं, लेकिन सरकारें भाजपा की है। कांग्रेस मुद्दे नहीं तय कर पा रही है। बीजेपी हर राज्य के हिसाब से मुद्दे तय करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर सीट के हिसाब के मुद्दों के हिसाब से बोलते हैं। वहां के इतिहास, भूगोल, राजनीतिक परिस्थितियां सबको ध्यान में रख कर बोलते हैं। लेकिन कांग्रेस इसके हिसाब से मुद्दे और रणनीति तय नहीं कर पाती। बड़ा सवाल ये है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित दिख रही कांग्रेस इसके बाद एक भी राज्य का चुनाव क्यों नहीं जीत पाई। आखिर उसकी रणनीति में कहां खामी है और वो बार-बार कहां चूक रही है?

लगभग जीत के मुहाने पर खड़ी कांग्रेस को हरियाणा में हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के साथ यही किस्सा अब राजनीतिक तौर पर देश के दूसरे बड़े अहम राज्य महाराष्ट्र में भी दोहराया गया। झारखंड में पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुआई वाले गठबंधन में शामिल थी और वो 2019 में जीती 16 सीटों में एक भी सीट का इजाफा नहीं कर पाई। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस बुरी तरह नाकाम रही। कांग्रेस 90 में से छह सीटें ही जीत पाई और नेशनल कॉन्फ्रेंस की जूनियर पार्टनर बन कर किसी तरह अपनी नाक बचा पाई। भाजपा ने महाराष्ट्र में हिंदू मतदाताओं के रुझान का ख्याल रखा। इसी के हिसाब से नारे गढ़े। लाडकी बहिन जैसी लाभार्थी योजना, आरक्षण के सवालों और महाराष्ट्र के किसानों के मुद्दों के इर्द-गिर्द अपनी रणनीति बनाई। लेकिन राहुल गांधी ऐसे चुनावी मुद्दों को गड़ने में क्यों असफल रहे? आखिर कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल गांधी इन स्थितियों पर गंभीर मंथन क्यों नहीं करते?

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुस्लिम तुष्टीकरण का राग अलापते हुए देश में मुस्लिमों का तो पक्ष लेते हैं लेकिन बांग्लादेश एवं पाकिस्तान में हिन्दुओं पर हो अत्याचारों पर मौन साध लेते हैं। उससे यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह समाज को बांटने वाली विभाजनकारी राजनीति पर अड़े हैं। राहुल गांधी बेतुकी आक्रामकता से उपरत क्यों नहीं हो रहे हैं? वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। आखिर वह जो कुछ मोदी सरकार से चाह रहे हैं, उसे कांग्रेस संगठन और साथ ही अपने दल द्वारा शासित राज्य सरकारों में क्यों लागू नहीं कर रहे हैं? क्या मोदी सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक रखा है? लोकसभा की कार्रवाई कांग्रेसी एवं विपक्षी सांसदों के वाक आउट, हंगामे, अनर्गल बहस की भेंट च? रही है। विपक्षी दल अपनी सार्थक भूमिका का निवर्हन करने की बजाय लगातार सत्तापक्ष को घेरने एवं आरोप-प्रत्यारोप की घटिया राजनीति में लगा है। देश भी इन त्रासद घटनाओं से कुछ हासिल नहीं कर पा रहा है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था विवेक अपने सहायकों सहित भाग गया, उसके योद्धा रणभूमि से पीठ दिखा गए। उस समय वे सब सद्ग्रन्थ रूपी पर्वत की कन्दराओं में जा छिपे (अर्थात ज्ञान, वैराग्य, संयम, नियम, सदाचारादि ग्रंथों में ही लिखे रह गए, उनका आचरण छूट गया)। सारे जगत में खलबली मच गई (और सब कहने लगे) हे विधाता! अब क्या होने वाला है? हमारी रक्षा कौन करेगा? ऐसा दो सिर वाला कौन है, जिसके लिए रति के पति कामदेव ने कोप करके हाथ में धनुष-बाण उठाया है? उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0- जे सजीव जग अचर चर नारि पुरुष अस नाम।
ते निज निज मरजाद तजि भए सकल बस काम॥

जगत में स्त्री-पुरुष संज्ञा वाले जितने चर-अचर प्राणी थे, वे सब अपनी-अपनी मर्यादा छोड़कर काम के वश में हो गए॥

सब के हृदयँ मदन अभिलाषा। लता निहारि नवहिं तरु साखा॥
नदीं उमगि अंबुधि कहुँ धाईं। संगम करहिं तलाव तलाईं॥1॥

सबके हृदय में काम की इच्छा हो गई। लताओं (बेलों) को देखकर वृक्षों की डालियाँ झुकने लगीं। नदियाँ उमड़-उमड़कर समुद्र की ओर दौड़ीं और ताल-तलैयाँ भी आपस में संगम करने (मिलने-जुलने) लगीं॥

जहँ असि दसा जड़न्ह कै बरनी। को कहि सकइ सचेतन करनी॥
पसु पच्छी नभ जल थल चारी। भए काम बस समय बिसारी॥

जब जड़ (वृक्ष, नदी आदि) की यह दशा कही गई, तब चेतन जीवों की करनी कौन कह सकता है? आकाश, जल और पृथ्वी पर विचरने वाले सारे पशु-पक्षी (अपने संयोग का) समय भुलाकर काम के वश में हो गए॥ (क्रमशः..)

चाय पर राजनीति (व्यंग्य)

यह एक छोटे से गाँव का दृश्य था, जहाँ हर बात पर गहमा-गहमी मचती थी, लेकिन सबसे ज़्यादा शोर उस चाय की दुकान पर होता था, जहाँ हर किसी की राय बनती और हर विवाद का समाधान मिलता था। चाय न हो, तो यहां का माहौल अधूरा रहता। और यदि चाय हो, तो भले ही हलचल हो, मगर समस्या सुलझती नहीं।

गाँव के चौक पर स्थित एक छोटी सी चाय की दुकान थी, जिसका मालिक रामनाथ, न केवल चाय बनाने में माहिर था, बल्कि राजनीति के गहरे घाघ भी थे। हर दिन सुबह-सुबह वह अपने दुकानदार मित्रों को 'चाय पर राजनीति' का पाठ पढ़ाते। हर एक चर्चा का अंतिम निष्कर्ष यही होता कि अगर नेताओं को चाय पर बुला लिया जाए तो हर समस्या का समाधान हो सकता है। उन्होंने कभी भी किसी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया, सिर्फ उसे घुमा-फिराकर हल कर दिया।

आज भी कुछ ऐसा ही हो रहा था। चाय की दुकानदारों की टोली (जिसमें विशेष रूप से पन्नालाल और सत्तू थे) और गाँव के कुछ 'महान' नागरिक रामनाथ के चाय के प्यालों के आस-पास घेरा डाले बैठे थे, और बड़े आराम से एक राष्ट्रीय संकट पर चर्चा कर रहे थे।

'क्या तुम जानते हो, सत्तू भाई?' पन्नालाल ने जैसे ही सवाल पूछा, उसकी आँखों में एक उत्साही भाव था, 'अगर हमारे गाँव के नेता चुनावी बहस में हारे, तो क्या होगा?'

सत्तू ने अपनी चाय की प्याली को एक कश लिया और कहा, 'पन्नालाल भाई, चुनाव तो वैसे भी हमारे गाँव में एक खेल बन गया है। एक महीने पहले जो 'नेता' थे, वे अब चायवाले बन गए हैं, और जो चायवाले थे, वे अब नेता बन गए हैं।'

रामनाथ ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अरे! यह तो हमारा ही गाँव है। यहाँ नेता बनने का यही तरीका है। बस चुनाव से पहले थोड़ा सा शेर बनने का ढोंग करो, और बाद में बकरा बनकर गाँववालों से मिन्नतें करो।'

सत्तू ने इसे गंभीरता से लिया और कहा, 'बिलकुल, रामनाथ भाई! आप तो जानते ही हैं, अब गाँव में हर कोई अपनी बात रखता

गाँव के चौक पर स्थित एक छोटी सी चाय की दुकान थी, जिसका मालिक रामनाथ, न केवल चाय बनाने में माहिर था, बल्कि राजनीति के गहरे घाघ भी थे। हर दिन सुबह-सुबह वह अपने दुकानदार मित्रों को 'चाय पर राजनीति' का पाठ पढ़ाते।

है, लेकिन जब चुनाव नजदीक आते हैं, तब सब लोग अपने-अपने बर्तन में पानी भरने लगते हैं।'

पन्नालाल ने चाय की चुस्की लेते हुए चुटकी ली, 'यही तो असली राजनीति है, सत्तू भाई। यहाँ के नेताओं का काम है, सबको धोखा देना, और फिर चाय की प्याली लेकर सबका दिल बहलाना।'

उसी वक्त गाँव के एक पुराने नेता, जिनका नाम लख्खू था, आकर रामनाथ के पास बैठ गए। वह अपनी आँखों में गहरी चिंता के साथ बोले, 'तुम दोनों क्या समझते हो? गाँव में नेता होना बहुत कठिन काम है। हर समय जनता के बीच रहते हुए भी अपनी शान बनाए रखना, यह कोई आसान काम नहीं है।'

रामनाथ ने हंसी रोकते हुए कहा, 'लख्खू भाई, आप ठीक कह रहे हैं, लेकिन हमारा गाँव हमेशा से ही राजनीति का गढ़ रहा है। यहाँ हर कोई अपनी बत्ती की मच्छरदानी के भीतर खुश रहता है। नेताओं का काम बस इतना है कि जनता को छोटे-छोटे वादे दें और फिर आराम से बैठकर चाय पीते रहें।'

लख्खू ने चिढ़ते हुए कहा, 'तुम लोग क्या समझते हो? क्या चाय के प्यालों से राजनीति चलती है?'

'नहीं, लख्खू भाई,' रामनाथ ने चाय की चुस्की लेते हुए कहा, 'लेकिन चाय के प्यालों से राजनीति की सच्चाई समझी जा सकती है। जब तक चाय गरम रहती है, तब तक सब खुश रहते हैं। जैसे ही चाय ठंडी होती है, लोग शिकायत करने लगते हैं। यही राजनीति का खेल है।'

लख्खू ने कुंठित होकर कहा, 'तुम दोनों तो बहुत बड़े समझदार हो गए हो। अगर इतनी समझ होती तो हम भी कुछ करते। अब देखो, हमारी पार्टी से हर कोई उम्मीदवार बना हुआ है, और हर किसी के पास अपना-अपना चाय का स्टॉल है।'

रामनाथ और सत्तू दोनों की हँसी फूट पड़ी। फिर सत्तू ने अपनी चाय की प्याली को रामनाथ की ओर बढ़ाते हुए कहा, 'वो दिन दूर नहीं, जब नेता अपने वोट पाने के लिए चायवाले से सलाह लें और चाय पर राजनीति की बातें करें।'

लख्खू उखड़ते हुए उठ खड़ा हुआ और बोला, 'तुम दोनों कभी कुछ नहीं समझ पाओगे। राजनीति चाय नहीं है, यह तो मेहनत का काम है!'

रामनाथ ने उसकी ओर देखा और कहा, 'तुम सही कह रहे हो लख्खू भाई, लेकिन जो मेहनत से राजनीति की राह पर चला, वही आज चाय का स्टॉल खोलकर खुश है।'

लख्खू ने गुस्से में अपनी चाय की प्याली रखी और चुपचाप चला गया। रामनाथ और सत्तू हँसी में डूबे रहे, और पन्नालाल ने कहा, 'देखा, अब चाय की चुस्की के बाद भी वह राजनीति की गहरी सोच में खो गया।'

'बिलकुल, पन्नालाल भाई', रामनाथ ने मुस्कुराते हुए कहा, 'यहाँ चाय ही राजनीति का काजल है, और बाकी सब धूल।'

- डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',
(हिंदी अकादमी, मुंबई से सम्मानित नवयुवा व्यंग्यकार)

राशिफल

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष : अमावस्या | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
जीवनसाथी के साथ आनंददायक जीवन गुजारेंगे। नौकरी-चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी है स्वास्थ्य में सुधार।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम। प्रेम संतान बहुत अच्छा। बहुत अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भूमि, भवन वाहन की खरीदारी की प्रबल योग बन रहा है। स्वास्थ्य बहुत अच्छा, प्रेम, संतान की अभी मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। आपको शब्दों से अमृत टपकेंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। जो चाहेंगे, वैसा होगा। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
फैशन इत्यादि में खर्च की अधिकता रहेगी। कर्ज की स्थिति आ सकती है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
आय के नवीन सोर्स बनेंगे। यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम-संतान अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

ठगी करने वाले कॉल सेंटर का पर्दाफाश

17 महिला सहित 32 लोगों को गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा कोतवाली सेकाटार 63 पुलिस ने हॉलीडे पैकेज देने के नाम पर फर्जीकॉल सेंटर खोलकर धोखाधड़ी करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते 17 महिला सहित 32 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये गैंग लोग हॉलिडे टूर पैकेज के नाम पर झांसा देकर लोगों की बुकिंग कराते थे। इसके बाद उनके पैसे लेकर आसानी से रफूचक्कर हो जाते थे. आरोपियों के कब्जे से चार लेपटॉप, तीन मॉनीटर, तीन कीबोर्ड, तीन सीपीयू, चार चार्जर, दो माऊस, दो राऊटर, तीन स्विच, तीन आईपैड, एक मोबाइल एवं अन्य दस्तावेज बरामद हुए है।

पुलिस की गिरफ्त में खडे आरोपी सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के ए और एच ब्लॉक में कंट्री हॉलिडे ट्रैवल इंडिया लिमिटेड की ओर से टूर पैकेज की सुविधा के नाम पर कॉल सेंटर चला कर हॉलीडे पैकेज देने के नाम पर ठगी की कर रहे थे. और इस गैंग ने दो साल में करीब सैंकड़ों लोगों से लाखों रुपये की ठगी की घटना की वारदात को अंजाम दे चुके हैं। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया डार्क वेब से डेटा लेकर ये ठग हॉलिडे टूर पैकेज के नाम पर लोगों की बुकिंग कराते थे। इसके बाद उनके पैसे लेकर आसानी से रफूचक्कर हो जाते थे और लोगों को जवाब देने के नाम पर टरकाते रहते थे।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि गुरुवार को आम्रपाली इडेन पार्क की अनिता ने कंट्री हॉलिडे ट्रैवल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ केस दर्ज कराया था। हॉलिडे बुकिंग के लिए ज्योति और श्रीयश चौधरी ने नौ दिन की यात्रा के लिए आईटीसी के होटल बुकिंग के नाम पर 84 हजार रुपये का पैकेज दिया था। बुकिंग कंफर्म नहीं होने पर पैसे भी वापस नहीं लौटाए थे। जांच के दौरान पांच ऑनलाइन व पुणे से एक अन्य लिखित शिकायत मिली। जिसपर कार्रवाही करते हुए 32 लोगों को गिरफ्तार किया गया 2.50 लाख, 2 लाख, 80 हज़ार रुपये इस तरह का पैकेज बेचा जा रहा था।

किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के एनसीआर महासचिव बने वीरेंद्र मुखिया

नोएडा (चेतना मंच)। शाहदरा गांव के निवासी वीरेंद्र मुखिया पुत्र राजेंद्र मुखिया को किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा का एनसीआर का महासचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास प्रधान ने की है।

विकास प्रधान ने वीरेंद्र मुखिया से अपेक्षा की है कि वह क्षेत्र में अधिक से अधिक युवाओं को जोड़कर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा को और भी मजबूत करेंगे।

उन्होंने कहा कि वह क्षेत्र के किसानों तथा ग्रामीणों की समस्याओं को किसान मजदूर संकट मोर्चा के जरिए उठाने का हर संभव प्रयास करें तथा शासन प्रशासन एवं प्राधिकरण से उनकी आंखों के लिए आवाज बुलंद करें।

वीरेंद्र मुखिया को एनसीआर महासचिव बनाए जाने के मौके पर किसान मजदूर संकट मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास प्रधान कृष्णा नागर संजय कसाना आदि लोग मौजूद थे।

सेक्टर-51 आरडब्लूए ने बुजुर्गों के लिए लगाया स्वास्थ्य कैंप

नोएडा (चेतना मंच)। आरडब्ल्यूए , सेक्टर 51 नोएडा द्वारा सी-7 सेक्टर 51 बारात घर में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कैम्प लगवाकर 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के स्वास्थ्य कार्ड बनवाने के लिए आयोजन किया गया। कैंप में सेक्टर-51 नोएडा के निवासियों के साथ-साथ पड़ोसी सेक्टरों के निवासियों द्वारा भी सेवा का लाभ उठाया गया। सेक्टर 51 के सीनियर सिटीजन निवासी जो कैंप में नहीं आ सकते थे उनका उनके घर पर जाकर आयुष्मान कार्ड बनवाया गया। इस मौके पर डीडीआरडब्ल्यू अध्यक्ष एनपीसिंह आरडब्ल्यू-51 अध्यक्ष अनिल प्रकाश महासचिव संजीव कुमार, उपाध्यक्ष पवन कुमार शर्मा, जॉइंट सेक्रेटरी सौरव जैन एग्जीक्यूटिव मेंबर अरविंद शर्मा, एग्जीक्यूटिव मेंबर मनमोहन मरवाह, अनिल वार्ष्णेय और सेक्टर 51 के सभी 70 वर्षों से अधिक सीनियर सिटीजन, मेंबर उपस्थित रहे और सुविधा का लाभ उठाया।

14 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत और 5 जनवरी को वृहद विधिक साक्षरता/सेवा शिविर कैंप का होगा आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। आगामी 14 दिसंबर को जनपद मुख्यालय, दीवानी न्यायालय एवं तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत एवं 05 जनवरी को जनपद में वृहद विधिक साक्षरता/सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। माननीय जनपद न्यायाधीश अवनीश सक्सेना ने सर्वप्रथम जनपद न्यायालय के सभा कक्ष में संबंधित विभाग अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक करते हुऐ कहा कि आगामी 14 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी संबंधित मामले, वैवाहिक एवं पारिवारिक झगड़े, दाखिल खारिज भूमि के पट्टे, बेगार श्रम संबंधित मामले, शमनीय प्रकृति के फौजदारी मामले, बैंक ऋण संबंधित मामले, राजस्व संबंधित मामले, वन भूमि संबंधित मामले, भूमि अर्जन से संबंधित मामले, मोटर वाहन दुर्घटना मुआवजा संबंधित दावे तथा अन्य मामलों का निस्तारण पक्षकारों की सहमति व आपसी समझौते के माध्यम से किया जायेंगा। मामलों के निस्तारण के लिए पक्षकार संबंधित न्यायालय में संपर्क कर सकते हैं या राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला न्यायालय एवं कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतम बुद्ध नगर या कार्यालय मोबाइल नंबर 9716535451, 8178508431 या उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ का टोल फ्री नंबर 18004190234 पर संपर्क किया जा सकता है।

माननीय जनपद न्यायधीश ने बैठक में तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा कि कहा कि आम नागरिकों को सुलभ एवं शीघ्रता के साथ न्याय दिलाने के उद्देश्य से निरंतर स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। सभी संबंधित अधिकारीगण आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने एवं इस अवसर पर अधिक से अधिक सुलह एवं समझौते के आधार पर विभिन्न प्रकार के वादों का निस्तारण करते हुए जन सामान्य को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सभी विभागीय अधिकारियों के द्वारा अपने अपने स्तर पर तैयारी सुनिश्चित करते हुए राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित होने वाले वादों का चिन्हीकरण करते हुए राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अधिक से अधिक वाद निस्तारित कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे ताकि सरकार एवं माननीय न्यायालय के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आम नागरिकों को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर अपर जिला जज /त्वरित न्यायालय-/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत गौतमबुद्धनगर रणविजय प्रताप सिंह, अपर जिला जज/सचिव(पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर ऋचा उपाध्याय, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला मनोरंजन कर अधिकारी जेपी चंद, जिला पूर्ति अधिकारी ओम हरि उपाध्याय एवं अन्य सम्बन्धित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

नोएडा (चेतना मंच)। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से) के प्रदेश अध्यक्ष दयाराम जाटव द्वारा बहुजन महापुरुषों को भारत इस माँग को लेकर जन्तर मंतर पर सभा का आयोजन किया। जिसमे हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने शामली उ0 प्र0 से दिल्ली तक पद यात्रा की। इस सभा में महात्मा ज्योतिराव फुले व माता सावित्री बाई फुले को भारत रतन मिले, इस माँग को लेकर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन दिया।

केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा की बहुजन महापुरुषों, को भारत रतन क्यों नहीं मिल रहा है, दशरथ मांझी ने पहाड़ का सीना चीर लाखों लोगों के लिए छोटे से छेनी हथोड़े से रास्ता बनाया क्या ऐसे लोगों को भारत रतन नहीं देना चाहिए, माता सावित्री बाई फुले जो भारत की प्रथम शिक्षक महिला थी। उन्होंने जब शिक्षा का प्रचार प्रसार किया बेटा हो या बेटी सबको शिक्षा एक समान शिक्षा मिले यह नारा दिया, उस वक्त माता सावित्री बाई फुले के ऊपर मनुवादी सोच के लोग अज्ञान लोग कीचड़ और गोपर उनके ऊपर फेकते थे उस अपमान को सहते हुए भी उन्होंने महिलाओ बेटियों को शिक्षा दी, ऐसे ही महात्मा ज्योतिराव फुले ने संघर्ष किया, क्या ये भारत रत्न के काबिल नहीं है, न तो उनको सैलरी मिलती थी, ना ही सम्मान उन्होंनों अपमान सहकर भी शिक्षा का प्रसार प्रसार किया ऐसे महा पुरुषों की लड़ाई में जब तक लड़ेंगा जब तक उनको भारत रत्न नहीं मिल जाता, नेताओ को भारत रतन मिल रहा है, खिलाड़ियों को भारत रत्न मिल रहा है, सरकार भारत रत्न के साथ करोड़ों रुपया भी दे रही है, इस बात से यह लगता है की क्या भारत रत्न के लिये कोई विशेष फार्म भरना पड़ता है जो सिर्फ बहुजन महा पुरुष नहीं भर पाते, बाकी सब लोग आराम से भर लेते है यह सारी बाते हम (से.) के नेता ने कहीं, माननीय श्री जीतन राम मांझी ने कहा और संगठनों को भरोसा दिया है की इन सब मुददों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात चित कर महा पुरुषों को सम्मानित करने का काम करेंगे और राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को मिलकर निवेदन करेंगे। बहुजन महा पुरुषों को जब तक सम्मान नहीं मिल जाता तब तक महा पुरुषों के लिए संघर्ष जारी रहेगा और दीपक सैनी ने कहा की महात्मा ज्योतिराव फुले व सावित्री बाई फुले को भारत रत्न मिले। जब तक सावित्री बाई फुले को भारत रत्न नहीं मिल जाता तबटक सैनी समाज संघर्ष करते रहेंगे।

नयी सभा को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री व रा0 अध्यक्ष श्री संतोष सुमन ने कहा कि जब तक महा पुरुषों को सम्मान नहीं दिला देते तब तक संघर्ष जारी रहेगा। इस आंदोलन में बागपत गाजियाबाद, सहारनपुर, मेरठ, मुजफ्फरपुर, शामली, मोदिनगर, हापुड़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महराष्ट्र आदि के समाज सेवाको ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके मधु सैनी, जिन्होंने शामली से दिल्ली तक पद यात्रा की उनके साथ सैकड़ों लोग रात दिन रहे, सभा का संचालन अदिति शर्मा ने किया। मौके पर बाल गोविंद माली, श्रीमती सुमन कुमार सैनी, प्रीति सैनी, अनुराग सैनी, सचिन सैनी, भरत सैनी, प्रियंका सैनी, सी. एल सैनी, जयवीर, आनंद कुमार, उपदेश, सशिकांत, सुनील कुशवाहा, रजनीश कुमार (दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हम), प्रमोद कुशवाहा पार्षद जैसे हजारों लोग शामिल रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

स्कूलों में भारत स्काउट और...

ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल पीपलका, बिहारी लाल इंटर कॉलेज दनकौर, मिहिर भोज इंटर कॉलेज दादरी, जेपी पब्लिक स्कूल ग्रेटर नोएडा, राजकीय हाई स्कूल छिजारसी के कब/बुलबुल-236, स्काउट/गाइड-318, कुल 554 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है, इसी के साथ बच्चों को नए विषयों की जानकारी प्रदान करते हुए राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार करना है। प्रतियोगिता को सफल बनाने में स्काउट मास्टर विपिन हरित, भरत सिंह, संन्दीप कौशिक, दीपक कुमार एवं गाइड कैप्टन सीमा आनन्द, पूर्णिमा, डा0 रीना, ममता नागर, आरजू , पूजा, ज्ञानाम्बला, कु0 ज्योति आदि का विशेष सहयोग रहा। समस्त कार्यक्रम का सफल संचालन जिला संगठन कमिश्नर स्काउट शिवकुमार द्वारा किया गया।

एमिटी विश्वविद्यालय में...

लिमिटेड की संयुक्त मैनजिंग डायरेक्टर डा संगीता रेड्डी को डाक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त मैक्स हेल्थकेयर के वाइस चेयरमैन डा संजय सचदेवा को प्रोफेसरशिप की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा अशोक कुमार चौहान ने अतिथियों और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एमिटी न केवल छात्रों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि मानवीय मूल्यों और संस्कारों पर भी बहुत जोर देता है, क्योंकि ये मानवीय मूल्य ही हैं जो हमें महान इंसान बनाते हैं। भारत वर्ष 2047 तक एक महाशक्ति और एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा और हमें भारत को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। ''भाग'' मंत्र साझा करते हुए उन्होंने कहा, भाग में बी का मतलब व्यवहार विज्ञान, एच का मतलब मानवीय मूल्य, ए का मतलब दृष्टिकोण, ए का मतलब महत्वाकांक्षा और जी का मतलब ईश्वर है। यदि छात्र इस मंत्र का पालन करते हैं, तो वे अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे।

भारत सरकार के सचिव और परमाणु उर्जा आयोज के चेसरमैन डा अजित कुमार मोहंती ने कहा कि एमिटी विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने पर मैं बहुत सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ और मैं आज उपाधि प्राप्त करने वाले सभी एमिटी छात्रों को बधाई देता हूँ। परमाणु ऊर्जा विभाग ने हमारे राष्ट्र की सेवा के लिए परमाणुओं से ऊर्जा प्राप्त करने के लिए खुद को समर्पित किया है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा, जल सुरक्षा, विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के लिए काम करता है।

अपोलो हॉस्पीटल एंटरप्राइजेस लिमिटेड की संयुक्त मैनेजिंग डायरेक्टर डा संगीता रेड्डी ने कहा कि आज का दिन सभी छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए गौरवशाली दिन है और एमिटी में प्राप्त शिक्षा की मदद से वे दुनिया को बदलने और मानवता का निर्माण करने में सक्षम हो सकते हैं जो भारत की शक्ति और संस्कृति है। आज भारत हर क्षेत्र में बहुत आगे बढ़ रहा है, भारत दुनिया का चिप निर्माण केंद्र बन जाएगा और डॉक्टर दुनिया को रोग मुक्त बनाने पर काम कर रहे हैं, इसलिए छात्रों के लिए अपने ज्ञान और कौशल को समाज के लाभ के लिए लागू करने के बहुत सारे अवसर हैं।

मैक्स हेल्थकेयर के वाइस चेयरमैन डा संजय सचदेवा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि एमिटी विश्वविद्यालय परिसर का अनुशासन, आभा और जीवंतता मंत्रमुग्ध कर देने वाली है। यह एक ऐसी जगह है जहां कोई भी व्यक्ति आगे बढ़ सकता है और बड़े सपने देख सकता है। एमिटी जैसे विश्व स्तर पर प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित संस्थान से मानद प्रोफेसरशिप प्राप्त करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

एमिटी विश्वविद्यालय उत्तरप्रदेश के चांसलर डा अतुल चौहान ने कहा कि आज हमारे छात्रों के जीवन में एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह उनकी उपलब्धियों, उनकी दृढ़ता और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति उनके समर्पण का जश्न मनाने का दिन है। एमिटी के दुनिया भर में 7,00,000 पूर्व छात्र हैं और उनमें से सभी एमिटी में सीखे गए मूल्यों को आत्मसात करते हैं। छात्रों ने एमिटी में जो ज्ञान, कौशल और मूल्य सीखे हैं, वे ही वह नींव हैं जिस पर वे अपना भविष्य बनाएंगे।

एमिटी विश्वविद्यालय उत्तरप्रदेश की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा कि एमिटी एक अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार विश्वविद्यालय है जहां हम छात्रों के समग्र समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। डा शुक्ला ने इस दीक्षांत समारोह में लगभग 18,992 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी इसके अतिरिक्त 423 छात्रों को पीएचडी 892 छात्रों को अकादमिक अवार्ड और मेडल और एमिटी बिजनेस स्कूल के एकलव्य शर्मा को डी के जैन अवार्ड फॉर एंटरप्रिन्यौरल एबिलिटी अवार्ड और कवलजीत मोदी को मेजर जनरल के जय सिंह मेडल सहित 15 छात्रों को कोरपोरेट अवार्ड प्रदान किये गये।

एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में आज प्रथम दिन छात्रों को उपाधियां प्रदान की गई जिसमें 44 छात्रों को बलजीत शास्त्री अवार्ड फॉर बेस्ट इल हयुमन एंड ट्रैडिशनल वैल्यु अवार्ड और 19 छात्रों को बेस्ट ऑल राउंड ट्राफी, एमिटी ग्लोबल बिजनेस सकूल के 891 छात्रों, एमिटी बिजनेस स्कूल के 246 छात्रों, एमिटी फिनिशिंग स्कूल के 02, एमिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड फांइनेस के 191, एमिटी स्कूल ऑफ बिजनेस के 267, एमिटी इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल के 21, एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस बैंकिंग एंड एक्सचुरियल साइंसेस के 38 छात्रों, एमिटी विश्वविद्यालय के सीआइआइ स्कूल ऑफ लॉजिस्टीक के 50 छात्रों और आरआईसीएएस स्कूल ऑफ बिल्ट एनवांयरमेंट के 108 छात्रों आदि को डिग्री प्रदान की गई।

इस अवसर एमिटी ऑनलाइन के चेयरमैन अजित चौहान, रितनंद बलवेद एजुकेशन फाउंडेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभय चौहान, एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आटर्स की चेयरपरसन श्रीमती दिव्या चौहान, एमिटी फिनिशिंग स्कूल की वाइस प्रेसीडेंट श्रीमती जयश्री चौहान, स्ट्रैटजिक ऑपरेशन के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमोल चौहान सहित एमिटी विश्वविद्यालय के शिक्षकगण सहित छात्रों के अभिभावक भी उपस्थित थे।

खास खबर

फ़िट इंडिया – इंडियन आर्मी के साथ दौड़ें : आर्मी मैराथन भोपाल 19 जनवरी 2025 को आयोजित होगी

भोपाल। भारतीय सेना ने गर्व के साथ आर्मी मैराथन भोपाल 2025 की घोषणा की है, जो फिट इंडिया - इंडियन आर्मी के साथ दौड़ें के बैनर तले फिटनेस और देशभक्ति को बढ़ावा देने वाला एक भव्य आयोजन है। यह मैराथन 19 जनवरी 2025 को आयोजित की जाएगी। इसके कर्टन रेज़र सेरेमनी का आयोजन 29 नवंबर 2024 को रवींद्र भवन ऑडिटोरियम, भोपाल में किया गया।यह समारोह श्री विश्वास कैलाश सारंग, माननीय खेल और युवा कल्याण मंत्री, मध्य प्रदेश, और लेफ्टिनेंट जनरल प्रीत पाल सिंह, एवीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग 21 कॉर्प्स की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस मौके पर कई सम्माननीय अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे इस आयोजन को और अधिक गरिमा और उत्साह प्राप्त हुआ।इस कर्टन रेज़र सेरेमनी में निम्नलिखित सम्माननीय अतिथि शिव शेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव पर्यटन, मध्य प्रदेश चंदर शेखर शर्मा, सीजीएम, एसबीआई भोपाल, रमनीश गीर, आईपीएस, संयुक्त निदेशक, सीबीआई, भोपाल, दीपक बसु, कार्यकारी निदेशक और राज्य प्रमुख, आईओसीएल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ शामिल हुए।

हार्डविन इंडिया लिमिटेड विकास के राह पर, बोर्ड ने 2 :5 बोनस शेयर इश्यू को मंजूरी दी

Hardwyn
Since 1965
Perfection Redefined

मुंबई, एजेंसी। हार्डविन इंडिया लिमिटेड जो आर्किटेक्चरल हार्डवेयर और ग्लास फिटिंग्स में एक प्रमुख कंपनी है, अब विकास के रास्ते पर है। हाल ही में, कंपनी के बोर्ड ने बोनस इक्विटी शेयरों के इश्यू को 02:05 के अनुपात में मंजूरी दी है, यानी 05 (पाँच) मौजूदा इक्विटी शेयरों के बदले 02 (दो) बोनस इक्विटी शेयर कंपनी के सदस्यों को रिकॉर्ड डेट के आधार पर दिए जाएंगे, बशर्ते सभी आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त की जाएं, जो कंपनी अपनी आगामी एजीएम के दौरान प्राप्त करेगी। इससे पहले, 14 नवम्बर 2024 को हुई बोर्ड बैठक में 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए शानदार लाभ की घोषणा की गई थी। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, परिचालन से राजस्व में 61.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 में रु. 3193.52 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में रु. 5164.74 लाख हो गया। एबिटा में 168.50 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 में रु. 235.01 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में रु. 631.01 लाख हो गया। एबिटा मार्जिन में 7.34 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 12.20 प्रतिशत हो गया, जो 486 बीपीएस की वृद्धि है। शुद्ध लाभ में 172.54 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 में रु. 148.24 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में रु. 404.01 लाख हो गया। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए, परिचालन से राजस्व में 34.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में रु. 6879.66 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में रु. 9257.49 लाख हो गया। एबिटा में 112.03 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में रु. 414.46 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली में रु. 878.80 लाख हो गया।

एमराल्ड टायर मैन्युफैक्चरर्स का आ रहा आईपीओ, प्राइस बैंड 95, 5 दिसंबर से दांव लगाने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। अगले सप्ताह एक और कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए ओपन हो रहा है। यह आईपीओ- एमराल्ड टायर मैन्युफैक्चरर्स का है। कंपनी का यह इश्यू निवेश के लिए 5 दिसंबर को ओपन होगा। निवेशक इस इश्यू में 9 दिसंबर तक पैसे लगा सकेंगे। एमराल्ड टायर मैन्युफैक्चरर्स आईपीओ का प्राइस बैंड 90 से 95 प्रति शेयर है।

क्या है अन्य डिटेल

एमराल्ड टायर मैन्युफैक्चरर्स आईपीओ एक बुक बिल्ट इश्यू है। कंपनी का आईपीओ के जरिए लगभग 49.26 करोड़ जुटाने का लक्ष्य है। इसमें 47.37 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 10 फेस वैल्यू वाले 199,200 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। खुदरा कोटा 35 प्रतिशत, क्यूआईबी 50 प्रतिशत और एचएनआई 15 प्रतिशत है। एमराल्ड टायर मैन्युफैक्चरर्स आईपीओ 12 दिसंबर, 2024 को एनएसई पर सूचीबद्ध होगा। एमराल्ड टायर मैन्युफैक्चरर्स आईपीओ का आवंटन तिथि 10 दिसंबर, 2024 है। कंपनी के प्रमोटर चंद्रशेखरन त्रिरुपति वेंकटचलम हैं। बता दें कि अभी कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में उपलब्ध नहीं हैं।

कंपनी का कारोबार

एमराल्ड टायर मैन्युफैक्चरर्स लिमिटेड की स्थापना 2002 में विभिन्न प्रकार के टायरों के प्रोडक्शन, सप्लाई और सर्विसिंग के कारोबार के लिए की गई थी। कंपनी ऑफ-हाईवे टायर और व्हील सेवाओं के जरिए संपूर्ण समाधान प्रदान करती है। कंपनी ने 2023 में 167.98 करोड़ के मुकाबले 2024 में 171.97 करोड़ का रेवेन्यू दर्ज किया। कंपनी ने 2023 में 8.93 करोड़ के मुनाफे के मुकाबले 2024 में 12.24 करोड़ का लाभ दर्ज किया।

यह काफी बेहतर है स्टेज पर 53 करोड़ का केला खाकर बोले दिग्गज कारोबारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर कोई कहे कि एक शख्स ने 53 करोड़ कीमत के एक केले को खाया है तो शायद आपको यकीन ना हो लेकिन यह सच है। हाल ही में चीन के क्रिप्टो उद्यमी जस्टिन सन ने नीलामी में एक केला को खरीदा था। न्यूयॉर्क स्थित सोथबी नीलामीघर में दीवार पर टेप से चिपकाए गए केले को जस्टिन सन ने 62 लाख डॉलर (करीब 53 करोड़ रुपये) में खरीदा था। अब इसे कारोबारी ने स्टेज पर इसे खा लिया है। उन्होंने केले को खाते हुए कहा- यह अन्य केलों की तुलना में बहुत स्वादिष्ट और बेहतर है। यह सचमुच काफी अच्छा है। बता दें कि केले की कलाकृति के लिए बोली 800,000 से शुरू हुई और एक मिनट बाद ही 1.5 मिलियन से अधिक बढ़ गई।

चीन के उद्यमी जस्टिन सन के मुताबिक यह महज केला नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक घटना का प्रतिनिधित्व करती है, जो कला, मीम्स और क्रिप्टोकरेंसी कम्युनिटी को आपस में जोड़ती है।

पहली बार 2019 में बेचा गया

इतालवी कलाकार मौरिजियो कैटेलन ने इस खास तरह के केले की कलाकृति को बनाया था। इस केले को कॉमेडियन नाम दिया गया। इसे पहली बार 2019 में पेरोटिन गैलरी द्वारा बेचा गया था।

ट्रंप के समर्थक हैं जस्टिन सन

बता दें कि क्रिप्टोकरेंसी प्लेटफॉर्म ट्रॉन के चीनी मूल के संस्थापक जस्टिन सन को अमेरिका के नए राष्ट्रपति का समर्थक माना जाता है। उन्होंने क्रिप्टो को लेकर ट्रंप के समर्थन की सराहना भी की है। जस्टिन सन को पिछले साल अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा धोखाधड़ी और अन्य प्रतिभूति कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। उन्होंने 2013 में क्रिप्टोकरेंसी क्षेत्र में कदम रखा जब वे रिपल लैब्स में चीफ रिप्रेजेंटेटिव और सलाहकार के रूप में शामिल हुए। इसके बाद साल 2014 में पेइवो नामक एक ऑडियो आधारित सोशल नेटवर्किंग ऐप की स्थापना की। साल 2017 में कारोबारी ने ट्रॉन की स्थापना की। यह क्रिप्टो मार्केट में सक्रिय ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म है। ट्रॉन अब दुनिया की शीर्ष क्रिप्टोकरेंसी में से एक मानी जाती है।

180 पर जाएगा टाटा का शेयर, अभी 22 प्रतिशत सस्ता है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील के शेयर छह महीने में अपने रिकॉर्ड हाई से 22 प्रतिशत तक फिसल गए हैं। इस साल 18 जून को टाटा ग्रुप का यह शेयर 184.60 रुपये की रिकॉर्ड ऊंचाई टच किया था और वर्तमान में टाटा स्टील के शेयर 145.45 रुपये पर आ गए हैं। अल्पावधि में, टाटा स्टील के स्टॉक ने छह महीने में 13 प्रतिशत, तीन महीने में 9 प्रतिशत और एक महीने में 3 प्रतिशत की गिरावट के साथ निवेशकों को निराश किया है। 2024 में भी टाटा स्टील का स्टॉक महज 4 प्रतिशत रिटर्न दिया है। टाटा स्टील के शेयरों में एक साल में 13 प्रतिशत की तेजी आई है। बावजूद ब्रोकरेज इस शेयर को लेकर बुलिश हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। बता दें कि टाटा स्टील में एलआईसी की भी 7.63 फीसदी की बड़ी हिस्सेदारी है। यह 95,22,12,868 शेयरों के बराबर है।

ग्लोबल ब्रोकरेज कंपनी जेपी मॉर्गन ने 180 रुपये प्रति शेयर के टारगेट प्राइस के साथ टाटा स्टील पर अपना ओवर-वेट रुख बरकरार रखा है। सेंट्रम ब्रोकिंग ने टाटा स्टील के शेयर के लिए 168 रुपये का टारगेट प्राइस है। एक्सिस सिक्योरिटीज ने टाटा ग्रुप के शेयर के लिए 175 रुपये का टारगेट रखा है। मॉर्गन स्टेनली ने लगभग 175 रुपये प्रति शेयर के टारगेट प्राइस के साथ अपनी ओवरवेट रेटिंग बरकरार रखी है। टाटा स्टील का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (आरएसआई) 45.3 पर था, जो दर्शाता है कि यह न तो ओवरबॉट और न ही ओवरसोल्ड जोन में कारोबार कर रहा है टाटा समूह के स्टॉक का एक साल का बीटा 1.5 है, जो इस अवधि के दौरान उच्च अस्थिरता का संकेत देता है। टाटा समूह का स्टॉक 5 दिन, 10 दिन से अधिक लेकिन 20 दिन, 30 दिन, 50 दिन, 100 दिन, 150 दिन और 200 दिन के मूविंग औसत से कम पर कारोबार कर रहा है।

मुकेश अंबानी से पहले ही ट्रिलिनेयर बन जाएंगे प्राजोगो पेंगेस्तू!

इंडोनेशिया के सबसे बड़े रईस हैं प्राजोगो पेंगेस्तू

- उन्होंने टिंबर बिजनेस से की थी अपनी शुरुआत
- आज पेट्रोकेमिकल और एनर्जी में फैला है बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के अमीरों की नेटवर्थ तेजी से बढ़ रही है। हाल में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक 2027 तक दुनिया को पहला ट्रिलिनेयर मिल सकता है। यानी एक शख्स जिसकी नेटवर्थ 1,000 अरब डॉलर होगी। इन्फॉर्मा कनेक्ट अकादमी की एक स्टडी के मुताबिक एलन मस्क को सबसे पहले यह मुकाम हासिल हो सकता है। उसने साल बाद यानी 2028 में भारत के गौतम अडानी इस मुकाम पर पहुंच सकते हैं। लेकिन इस रिपोर्ट में तीसरा नाम चौंकाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया के सबसे बड़े रईस प्राजोगो पेंगेस्तू भी 2028 में इस मुकाम पर पहुंच सकते हैं। उन्हें भारत के मुकेश अंबानी से पहले ही यह मुकाम हासिल हो सकता है।

फोर्ब्स के मुताबिक 80 साल के पेंगेस्तू की नेटवर्थ 47.0 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 32वें नंबर पर हैं। 13 मई, 1944 को जन्मे पेंगेस्तू का संबंध चीनी मूल की हक्का फैमिली से है। उनका परिवार मूल रूप से चीन के गुआंगडोंग से ताल्लुक रखता है। उनके पिता टिंबर ट्रेडर थे। उनकी शुरुआती पढ़ाई-लिखाई चाइनीज स्कूलों से हुई और 1965 में वह जकार्ता आ गए। 1970 में उन्होंने एक टिंबर कंपनी जॉइन की और 1976 में इसके जनरल मैनेजर बन गए। 1977 में उन्होंने कंपनी छोड़ दी और अपना खुद का बिजनेस शुरू किया।

किस-किस कंपनी में है हिस्सेदारी

1993 में पेंगेस्तू की कंपनी बैरिटो पैसिफिक टिंबर लिस्ट हुई और जकार्ता स्टॉक एक्सचेंज की सबसे बड़ी कंपनी बनी। 2007 में उन्होंने अपने बिजनेस को डाइवर्सिफाई किया। बैरिटो पैसिफिक ने पेट्रोकेमिकल्स कंपनी चंद्रा असरी में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। 2011 में इसका त्रि पोलिता इंडोनेशिया में विलय हो गया। उसी साल थाईऑयल ने चंद्रा असरी में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। 2023 में उन्होंने अपनी कोल माइनिंग कंपनी पेट्रिंडो जया क्रीसी को लिस्ट कराया और फिर रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी बारिटो रिन्यूएबल्स एनर्जी की भी लिस्टिंग हुई। फोर्ब्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 47.0 अरब डॉलर है और वह इंडोनेशिया के सबसे बड़े रईस हैं।

दिसंबर तक ग्राहकों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ें, वित्त मंत्री ने आरआरबी से की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) से ग्रामीण ग्राहकों को इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई जैसी डिजिटल सेवाओं से जोड़ने की अपील की है। मंत्री ने बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के आठ आरआरबी के साथ शुक्रवार को पटना में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान डिजिटल समावेशन के महत्व पर जोर दिया। बैठक में सीतारमण ने आरआरबी को डिजिटल सेवाओं के लिए ग्राहकों को शामिल करने को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने इसके लिए दिसंबर 2024 तक इस कार्य को पूरा करने की समय सीमा तय की। उन्होंने आरआरबी को अपने प्रायोजक बैंकों के समर्थन से अपने ग्राहकों के बीच डिजिटल सेवाएं अपनाने को बढ़ावा देने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा , ÷आरआरबी को इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई जैसी डिजिटल सेवाओं से ग्राहकों को जोड़ने को प्राथमिकता देनी चाहिए उन्होंने व्यवसाय विकास को बढ़ावा देने के लिए ऋण प्रवाह बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से कृषि और सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों से जुड़ी गतिविधियों के लिए।÷

सीतारमण ने महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ऋण प्रवाह बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने राज्य सरकारों से नाबार्ड और सिडबी के साथ मिलकर एसएचजी को उद्यम के रूप में विकसित करने में मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) कार्यक्रम की क्षमता की ओर इशारा किया और वित्तीय संस्थानों को एसएचजी को प्रशिक्षण और विपणन सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। केंद्रीय मंत्री ने आरआरबी में दक्षता और सेवा वितरण में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी उन्नयन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आरआरबी की वित्तीय सेहत में सुधार को स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि समेकित सीआरएआर वित्त वर्ष 2022 के 7.8 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 9.4 प्रतिशत हो गया और सकल एनपीए वित्त वर्ष 2022 में 25 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 15 प्रतिशत हो गया।

मंत्री ने कहा, ÷पूर्वी क्षेत्र के आरआरबी ने वित्त वर्ष 2023 में 690 करोड़ रुपये के शुद्ध घाटे के मुकाबले वित्त वर्ष 2024 के दौरान 625 करोड़ रुपये का समेकित लाभ अर्जित किया है।÷ सीतारमण ने भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए आरआरबी में परिसंपत्ति की गुणवत्ता बनाए रखने, डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने और मजबूत कॉरपोरेट प्रशासन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए समापन किया।

वित्तीय संकट आने वाला है! धड़ाधड़ सोना गिरवी रख रहे हैं लोग, 7 महीने में 50 प्रतिशत बढ़ गया गोल्ड लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में बैंकों द्वारा सोने के आभूषणों के बदले दिए गए लोन में 50.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह तेज वृद्धि तब हुई है, जब हर दूसरे पर्सनल लोन सेगमेंट में क्रेडिट सिंगल डिजिट में बढ़ा है। शुक्रवार को आरबीआई द्वारा जारी बैंक क्रेडिट के सेक्टोरल डिप्लॉयमेंट के आंकड़ों से पता चलता है कि 18 अक्टूबर, 2024 तक आउटस्टेंडिंग गोल्ड लोन 1,54,282 करोड़ रुपये था। मार्च 2024 के अंत में यह 1,02,562 करोड़ रुपये था। सालाना आधार पर इसमें 56 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जबकि अक्टूबर 2023 में यह 13 प्रतिशत थी।

बैंकरों का कहना है कि फाइनेंशियल ईयर के पहले सात महीनों में गोल्ड लोन में भारी बढ़ोतरी के कई कारण हो सकते हैं। इनमें एनबीएफसी से बदलाव और असुरक्षित ऋणों की तुलना में सुरक्षित ऋणों को प्राथमिकता देना शामिल है। वर्ष के पहले सात महीनों के दौरान एनबीएफसी को बैंक लोन 0.7 प्रतिशत

घटकर 1.5 लाख करोड़ रुपये रह गया है। बैंकरों ने यह भी कहा कि गोल्ड लोन में वृद्धि इसकी कीमतों में वृद्धि के कारण हो सकती है। यह उधारकर्ताओं को पुराने ऋणों को चुकाने और अधिक नए ऋण प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। गोल्ड लोन पर अब हर महीने देना पड़ सकता है पेमेंट, जल्द शुरू होंगे मंथली प्लान, जानें पूरी डिटेल

वित्तीय संकट का संकेत

कुछ विश्लेषक गोल्ड लोन की बढ़ती मांग को वित्तीय संकट का संकेत मानते हैं। पिछले महीने, आरबीआई ने बैंकों और वित्त कंपनियों को अपनी गोल्ड लोन नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। उन्हें तीन महीने के भीतर किसी भी कमी को दूर करने का निर्देश दिया। इसके बाद एक समीक्षा की गई जिसमें अनियमित प्रथाओं का पता चला। इनमें एवरग्रीनिंग के माध्यम से खराब ऋणों को छिपाना शामिल है।

पर्सनल लोन सेगमेंट में होम लोन में साल-दर-साल वृद्धि 5.6 प्रतिशत रही। बैंकों की होम लोन बुक बढ़कर 28.7 लाख करोड़ रुपये हो गई। होम लोन में साल-दर-साल वृद्धि 12.1 प्रतिशत रही, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 36.6 प्रतिशत थी। अगली सबसे बड़ी वृद्धि क्रेडिट कार्ड बकाये में हुई। यह सात महीनों में 9.2 प्रतिशत बढ़कर 2.81 लाख करोड़ रुपये हो गई। बकाया ऋण में वृद्धि इस अवधि के दौरान ऑनलाइन लेनदेन में वृद्धि के अनुरूप थी। हालांकि, असुरक्षित ऋणों सहित अन्य व्यक्तिगत ऋणों में वृद्धि 3.3 प्रतिशत पर सुस्त रही। कुल मिलाकर बैंक क्रेडिट 4.9 प्रतिशत बढ़कर 172.4 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान उद्योग को क्रेडिट में 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इकोनॉमी के मोर्चे पर झटका, कोर सेक्टर से विदेशी मुद्रा तक के आंकड़ों ने किया निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। इकोनॉमी के मोर्चे पर बड़ा झटका लगा है। कोर सेक्टर से लेकर विदेशी मुद्रा भंडार तक के आंकड़ों ने निराश किया है। आठ कोर सेक्टर का उत्पादन अक्टूबर 2024 में घटकर 3.1 प्रतिशत रहा। वहीं, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.31 अरब डॉलर घटकर 656.58 अरब डॉलर रहा।

कोर सेक्टर में सुस्ती

आठ कोर सेक्टर का उत्पादन अक्टूबर 2024 में घटकर 3.1 प्रतिशत रहा। पिछले साल के इसी महीने में यह 12.7 प्रतिशत था। अक्टूबर 2024 की वृद्धि दर हालांकि इससे पिछले महीने सितंबर 2024 में दर्ज 2.4 प्रतिशत के मुकाबले अधिक है। अक्टूबर में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में कमी आई है। कोयला, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली के उत्पादन में वृद्धि क्रमशः 7.8 प्रतिशत, 0.4 प्रतिशत, 4.2 प्रतिशत और 0.6 प्रतिशत रही। पिछले साल अक्टूबर में यह आंकड़ा क्रमशः 18.4 प्रतिशत, 5.3 प्रतिशत, 16.9 प्रतिशत और 20.4 प्रतिशत था। इस महीने में रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन बढ़कर 5.2 प्रतिशत हो गया।

विदेशी मुद्रा भंडार का हाल

22 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.31 अरब डॉलर घटकर 656.58 अरब डॉलर रहा। इससे पहले 15 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17.76 अरब डॉलर की रिकॉर्ड गिरावट के साथ 657.89 अरब डॉलर रहा था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। उसके बाद से इसमें पिछले कई हफ्ते से गिरावट आ रही है। इस सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.83 अरब डॉलर बढ़कर 67.57 अरब डॉलर हो गया।

जीडीपी ग्रोथ 2 साल के निचले स्तर पर

चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर लगभग दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई। हालांकि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था धीमी होकर 5.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी। जीडीपी ग्रोथ का पिछला निम्न स्तर वित्त वर्ष 2022-23 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 4.3 प्रतिशत रहा था।

इंग्लैंड पहली पारी में 499 रन पर ऑलआउट

तीसरे दिन न्यूजीलैंड का स्कोर 155/6; केन विलियम्सन के 9 हजार टेस्ट रन पूरे

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच क्राइस्टचर्च में चल रहे टेस्ट मैच में तीसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। स्टंप्स तक कीवियों ने 6 विकेट खोकर 155 रन बना लिए है। डेरियल मिचेल 31 और नाथन स्मिथ 1 रन बना कर नाबाद हैं। इंग्लिश की पहली पारी में 499 रन पर ऑलआउट हो गई है, जबकि न्यूजीलैंड ने 348 रन बनाए थे। इंग्लैंड टीम ने पहली पारी के बाद 151 रन की बढ़त हासिल की थी। इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत 319/5 के स्कोर से की।

विलियम्सन की फिफ्टी, 9 हजार टेस्ट रन पूरे - केन विलियम्सन ने 61 रन बना कर आउट हो गए। वह न्यूजीलैंड की ओर से टेस्ट में 9000 रन पूरा करने वाले पहले क्रिकेटर भी बनें। वहीं रचिन रविंद्र भी 38 गेंदों पर 24 रन बना कर पवेलियन लौटे। कप्तान टॉम लैथम एक और ड्वोन कॉन्वे 8 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स और ब्राइडेन क्रेस को 3-3 विकेट मिले।

इंग्लैंड 499 रन पर ऑलआउट, हैरी ब्रूक ने 171 रन बनाए - इंग्लैंड की टीम ने लंच ब्रेक तक 8 विकेट पर 459 रन बना लिए थे। इसमें हैरी ब्रूक 171 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मैट हेनरी ने विकेटकीपर टॉम ब्लेंडल के हाथों कैच कराया। कप्तान बेन स्टोक्स ने 80 रन की पारी खेली, जबकि गॉस एटकिंसन ने 48 और ब्रायडन केस ने नाबाद 33 रन बनाए।मैट हेनरी ने 4 विकेट झटके। नाथन स्मिथ ने 3 विकेट झटके। टिम साउदी को 2 विकेट मिले।

दूसरा दिन- न्यूजीलैंड 348 रन पर ऑलआउट, ब्रूक का शतक -इंग्लैंड ने क्राइस्टचर्च टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ मजबूत वापसी की। टीम ने स्टंप्स तक पहली पारी में 5 विकेट पर 319 रन बना लिए थे। हैरी ब्रूक 163 बॉल पर 132 रन बनाकर नाबाद रहे। जबकि कप्तान बेन स्टोक्स (76 गेंद पर नाबाद 37 रन) उनका साथ दे रहे थे। इंग्लिश टीम ने लंच ब्रेक तक 45 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। पढ़ें पूरी खबर

टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं जाएगी, अब सरकार ने भी कहा

चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में होगी या नहीं, फैसला कल, आईसीसी की मीटिंग पोस्टपोन

दुबई/नईदिल्ली (एजेंसी)। अगले साल फरवरी में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में होगी या नहीं, इसका फैसला कल होगा। इसके लिए दुबई में आईसीसी ने सभी बोर्ड मेंबर्स की मीटिंग बुलाई थी, लेकिन फैसला नहीं निकल पाने के कारण मीटिंग को पोस्टपोन कर दिया।

पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिलने के बाद भारत ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर वहां जाने से मना कर दिया था। तब यह माना जा रहा था कि एशिया कप की तरह चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट भी हाइब्रिड मॉडल पर होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पहले भारत के सभी मैच लाहौर में कराने और मैच के बाद खिलाड़ियों को भारत भेजने का प्रस्ताव रखा था। भारत ने इसे नहीं माना तो (पीसीबी) ने हाइब्रिड मॉडल के लिए भी मना कर दिया।

आईसीसी के सूत्रों ने बताया, बोर्ड मेंबर्स की कुछ देर मीटिंग हुई थी। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सभी बोर्ड मिलकर सॉल्यूशन निकालना चाह रहे हैं। कुछ दिनों बाद बोर्ड की मीटिंग होगी, जिसमें वेन्यू पर फाइनल फैसला ले लिया जाएगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज जनवरी 2013 में हुई थी। तब से दोनों टीमें आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट में ही भिड़ी हैं।

पीसीबी हाइब्रिड मॉडल नहीं कराने पर अड़ा - मीटिंग में पाकिस्तान ने एक बार फिर हाइब्रिड मॉडल को नहीं अपनाया। पीसीबी ने एक दिन पहले भी कह दिया था कि बोर्ड हाइब्रिड मॉडल नहीं अपनाएगा। टूर्नामेंट पूरी तरह से पाकिस्तान में ही होगा। पाकिस्तान के इसी स्टैंड के कारण माना जा रहा है कि आईसीसी ने अपनी मीटिंग पोस्टपोन की है।

विराट की तरह खुद पर भरोसा रखें- स्मिथ- लाबुशेन को रिकी पोंटिंग की सलाह

एडिलेड (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने रन बनाने के लिए जूझ रहे मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाकी बचे चार टेस्ट मैचों में फॉर्म में वापसी करने के लिए भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की तरह अपने खेल पर भरोसा करने की सलाह दी है। पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में लाबुशेन भारतीय तेज गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए। उन्होंने इस मैच में दो और तीन रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया को इस मैच में 295 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। स्मिथ भी पहले टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के सामने जूझते रहे। ऑस्ट्रेलिया का यह स्टार बल्लेबाज पहली पारी में खाता नहीं खोल पाया जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 60 गेंद पर 17 रन बनाए।

पोंटिंग ने कहा कि पर्थ में सभी बल्लेबाजों में से मार्नस सबसे अधिक जूझते हुए नजर आए। यह सही है कि विकेट मुश्किल था और भारतीय गेंदबाज शानदार गेंदबाजी कर रहे थे लेकिन उन्हें इसे बदलने का तरीका ढूंढना होगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने इस संदर्भ में कोहली का उदाहरण दिया जो पहली पारी में 5 रन बनाकर आउट होने के बाद दूसरी पारी में नाबाद 100 रन बनाकर वापसी करने में सफल रहे।

पोंटिंग ने कहा कि विराट ने अपने खेल पर भरोसा किया और वह पहली पारी की तुलना में दूसरी पारी में अलग खिलाड़ी की तरह नजर आए। उन्होंने विरोधी टीम से लड़ने के बजाय अपने मजबूत पक्षों पर ध्यान केंद्रित किया। मार्नस और स्मिथ को यही करने की जरूरत है - अपना रास्ता खोजें और मजबूत इरादे दिखाएं।

पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को अधिक जोखिम लेने और भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आपको जोखिम लेने और गेंदबाजों पर दबाच डालने का तरीका ढूंढना होगा क्योंकि हम सभी जानते हैं कि बुमराह जैसे गेंदबाज आपको रन बनाने के लिए आसान अवसर नहीं देंगे।

पहले टेस्ट में करारी हार झेलने के बावजूद पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलिया को टीम में बहुत अधिक बदलाव नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मैं उसी टीम के साथ बने रहने की सलाह दूंगा। मुझे लगता है कि आपको चैंपियन खिलाड़ियों पर भरोसा दिखाना होगा और हम इस टीम में जिन लोगों के बारे में बात कर रहे हैं उनमें से कई चैंपियन खिलाड़ी रहे हैं।

प्रतिभाएं रातों-रात पैदा नहीं होतीं

पर्थ में विराट कोहली का शतक देखकर बोले अजय जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने पर्थ में अपने शानदार शतक के बाद विराट कोहली की प्रशंसा की है, जिन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की 295 रन की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जडेजा की टिप्पणियां कोहली के उल्लेखनीय प्रदर्शन के मद्देनजर आई, जिसने आलोचकों को चुप करा दिया और क्रिकेट के आधुनिक महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि की। जडेजा ने कोहली की असाधारण प्रतिभा और अवसर पर आगे बढ़ने की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि संदेह करने वाले लोग शांति से आराम कर सकते हैं... नाम ही सब कुछ कहता है। अगर संदेह करने वाले थे, तो वे शांति से आराम कर सकते हैं। प्रतिभाएं रातों-रात पैदा नहीं होती हैं। पर्थ में कोहली का शतक न केवल उनकी तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन था, बल्कि उनके लचीलेपन और दृढ़ संकल्प का भी प्रमाण था। कुछ हलकों से आलोचना और संदेह का सामना करने के बाद, कोहली की शानदार पारी के साथ फॉर्म में वापसी उनके विरोधियों के लिए एक करारा जवाब था।

पहले टेस्ट में भारत की व्यापक जीत ने श्रृंखला के लिए माहौल तैयार कर दिया है, जिसमें टीम की सफलता में कोहली की पारी का महत्वपूर्ण योगदान है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से दबाव में प्रदर्शन करने और आगे बढ़कर नेतृत्व करने की उनकी क्षमता एक बार फिर रेखांकित हुई है। पर्थ में जीत से न सिर्फ भारत को सीरीज में अहम बढ़त मिली बल्कि टीम का मनोबल भी बढ़ा।

बहरहाल, जडेजा ने रोहित शर्मा की वापसी को भी टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर माना। जडेजा ने कहा कि नियमित टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा की छह दिसंबर से एडिलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए वापसी से भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि उनके (रोहित शर्मा) टीम में वापस आने से निश्चित रूप से भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा। वह एक नेतृत्वकर्ता हैं।

भारत -ऑस्ट्रेलिया

दूसरा प्रैक्टिस मैच-बारिश के कारण रद्द

पिंक बॉल से खेला जाना है मुकाबला

कैनबरा (एजेंसी)। बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया की पीएम-11 के बीच होने वाले दूसरे प्रैक्टिस मैच के पहले दिन का खेल रद्द हो गया था।

यह मुकाबला शनिवार को सुबह 9:40 बजे (भारतीय समयानुसार) से खेला जाना था, लेकिन मुकाबले से पहले कैनबरा में बारिश होने लगी। दूसरे दिन मुकाबले का टॉस सुबह 8.40 बजे होगा।

एडिलेड टेस्ट के लिहाज से अहम मुकाबला - यह प्रैक्टिस मैच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के एडिलेड टेस्ट की तैयारियों के लिहाज से अहम है। दरअसल, 6 दिसंबर से शुरू होने जा रहा पिंक बॉल से खेला जाएगा। यह डे-नाइट मुकाबला होगा। ऐसे में दोनों टीमों प्रैक्टिस मैच के जरिए अपनी तैयारियां पुख्ता करने जा रही हैं।

भारत को परफेक्ट कॉम्बिनेशन की तलाश - इस प्रैक्टिस मैच में भारतीय टीम को कई सवालों के जवाब तलाशने हैं। दरअसल, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा पैटरनिटी लीव से वापसी कर चुके हैं, वहीं अंगूठे की चोट से उबर गए हैं। इतना ही नहीं, केएल राहुल ने पर्थ में यशस्वी जायसवाल के साथ 201 रनों की ओपनिंग साझेदारी करके टॉप ऑर्डर में दावेदारी पेश कर दी है। ऐसे में राहुल को टॉप ऑर्डर में उतारने की मांग हो रही है।

हम 49 साल से विश्व कप में पदक नहीं जीत पाए, इसे जीतना चाहते हैं : हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पास दो ओलंपिक कांस्य पदक हैं, लेकिन उन्हें विश्व कप में पदक नहीं जीत पाने का मलाल है और वह इस कमी को 2026 में होने वाले टूर्नामेंट में पूरा करना चाहते हैं। भारत ने विश्व कप में अभी तक तीन पदक जीते हैं। उसने 1971 (बार्सिलोना) में कांस्य, 1973 में रजत (एम्स्टेलवीन, नीदरलैंड) और अजीत पाल की अगुवाई में 1975 (कुआलालंपुर) में स्वर्ण पदक जीता था।

हरमनप्रीत तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। पेरिस खेलों में वह टीम के कप्तान भी थे। वह 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। हरमनप्रीत ने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा ओलंपिक में स्वर्ण पदक और विश्व कप में पदक जीतना होगा। हमने पेरिस में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे पता चलता है कि हम किसी भी शीर्ष टीम का सामना करके जीत सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा तात्कालिक लक्ष्य एफआईएच प्रो लीग के मैच हैं। हम एशिया कप में जीत दर्ज करते विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करना चाहते हैं। हमने लंबे समय से विश्व कप में पदक नहीं जीता है और मैं अपने करियर में इसे जीतना चाहता हूं।

श्रीलंका हार के किनारे पर, जीत के लिए चाहिए 413 रन

डरबन (एजेंसी)। ट्रिस्टन स्टब्स (122) और कप्तान टेम्बा बावुमा (113) रन की शतकीय पारियों के बाद कगिसो रबाड़ा और माकर यानसन की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को श्रीलंका के दूसरी पारी में 103 रन पर 5 विकेट झटकर जीत की ओर कदम बढ़ा दिया है। इससे पहले आज दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 366 रन बनाकर पारी घोषित कर श्रीलंका को जीत के लिए 516 रनों का लक्ष्य दिया। ट्रिस्टन स्टब्स (122) और कप्तान टेम्बा बावुमा (113) ने अपने-अपने शतक पूरे किए और टीम को बड़े लक्ष्य की ओर ले गए। दक्षिण अफ्रीका को श्रीलंका को पहली पारी में उसके न्यूनतम स्कोर 42 रन पर ऑलआउट कर 149 रनों बढ़त ली थी।

श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या और विश्वा फर्नांडो ने दो-दो विकेट लिये। असिता फ़र्नांडो ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद 516 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम के शीर्ष बल्लेबाज कगिसो रबाड़ा और माकर यानसन की गेंदबाजी के आगे पस्त दिखे। पथुम निसंका (23), दिमुत करुणारत्ने (4), एंजलो मैथ्यूज (25), कामिंडु मेंडिस (10) और प्रभात जयसूर्या (एक) रन बनाकर आउट हुए।

ढाका टोपी पहनकर नेपाल पहुंचे शिखर धवन, नेपाल प्रीमियर लीग में मचाएंगे धमाल

काठमांडू(एजेंसी)। अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट करियर को विराम देने के बाद पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन नई पारी शुरू करने के लिए शुक्रवार को काठमांडू पहुंचे। धवन यहां नेपाल प्रीमियर लीग (एनपीएल) में भाग लेने के पहुंचे हैं। उन्हें करनाली याक्स ने अपने साथ जोड़ा है। उत्साही भीड़ द्वारा स्वागत किए जाने पर धवन, जिन्हें प्यार से 'गब्बर' के नाम से जाना जाता है, ने त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वीआईपी टर्मिनल से बाहर निकलते समय पारंपरिक 'ढाका टोपी' पहनी थी। नेपाल की अपनी पहली यात्रा को चिह्नित करते हुए धवन ने आगामी एनपीएल सीजन के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया और स्थानीय और राष्ट्रीय नेपाली खिलाड़ियों के साथ खेलने के अवसर पर प्रकाश डाला।

अंडर 19 एशिया कप

शाहजेब खान का बड़ा शतक, दुबई में खूब धुनाई हुई भारतीय गेंदबाजों की

पाकिस्तान ने नाया 281 रन का विशाल स्कोर

दुबई (एजेंसी)। दुबई स्थित दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एसीसी अंडर 19 एशिया कप 2024 के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज शाहजेब खान ने बड़ा शतक ठोककर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। अंडर 19 एशिया कप में पाकिस्तान की टीम वैसे कभी भारत से जीत नहीं पाई है लेकिन इस बार पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए मजबूत शुरूआत की है। शाहबाज ने 147 गेंदों पर 5 चौके और 10 छक्कों की मदद से 159 रन बनाए और टीम स्कोर 281 तक पहुंचा दिया। भारत के 142 रन पर 5 विकेट गिर चुके थे और जीतना अब नमुमकिन लग रहा था। पाकिस्तान के मनसेहरा शहर में पांच अक्तूबर, 2005 में शाहजेब खान का जन्म हुआ था। वह बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और स्लो लेफ्ट आर्म ऑर्थोडॉक्स गेंदबाज हैं। क्रिकेट करियर-पाकिस्तान की तरफ से अबतक एक फर्स्ट क्लास क्रिकेट मैच खेला है। जहां वह 8.50 की औसत से 17 रन ही बना पाए हैं। वहीं, लिस्ट ए के 5 मैचों में उन्होंने 23.40 की औसत से 117 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 42 है।

पाकिस्तान की पारी - पाकिस्तान को उसमा खान और शाहजेब खान ने मजबूत शुरूआत दी थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 160 रन जोड़े। उसमा ने 94 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 60 रन का योगदान दिया। तीसरे नंबर पर आए हरूर राशिद 3 ही रन बना पाए। इसके बाद शाहजेब ने गेयर बदला। उन्होंने मोहम्मद रियाजउल्लाह के साथ मिलकर स्कोर 241 तक पहुंचाया। रियाजउल्लाह 33 गेंदों पर 27 रन बनाकर आऊट हो गए लेकिन इसी बीच शाहजेब ने अपना शतक पूरा किया। पाकिस्तान के मध्यक्रम में फरहान 0 तो फाहाम उल हक 4 रन बनाकर आऊट हो गए लेकिन शाहजेब अपने 150 रन पूरे करने में सफल रहे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25

जोश हेजलवुड पिंक टेस्ट से बाहर; अनकैप्ड सीन एबॉट, डोगेट मिली जगह

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को साइड स्ट्रेन के कारण भारत के खिलाफ चल रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट स्तर पर अनकैप्ड सीन एबॉट और ब्रेंडन डोगेट को अपनी टीम में शामिल किया है। हालांकि डे-नाइट टेस्ट के लिए स्कॉट बोलैंड को जोश हेजलवुड की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किए जाने की उम्मीद है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक बयान के अनुसार हेजलवुड को 'निचली श्रेणी की बाईं ओर चोट' लगी है और वह अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एडिलेड में टीम के साथ रहेंगे। वह शेष श्रृंखला की तैयारी के लिए एडिलेड में समूह के साथ रहेंगे।

ऐसा पहली बार होगा जब घरेलू टेस्ट में भारत के खिलाफ हेजलवुड नहीं खेल पाएंगे। 2015 के सिडनी टेस्ट के बाद ऐसा पहली बार होगा जब हेजलवुड, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और नाथन लियोन एक साथ मैदान पर नहीं होंगे। इस चौकड़ी ने भारत के खिलाफ लगातार नौ घरेलू टेस्ट मैचों में एक साथ खेला था। हेजलवुड पर्थ में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 34 ओवरों में 57 रन देकर 5 विकेट लेकर

ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे। ऐसी संभावना है कि बोलैंड को प्लेइंग 11 में हेजलवुड की जगह मिल सकती है। उन्होंने आखिरी टेस्ट 2023 में लीड्स के मैदान पर खेला था।

हेजलवुड की अनुपस्थिति मेजबान टीम के लिए एक बड़ा झटका है, जो 5 मैचों की श्रृंखला में 0-1 से पीछे चल रही है। पिछली बार जब भारत ने दिसंबर 2021 में गुलाबी गेंद से डे-नाइट टेस्ट के दौरान एडिलेड में खेला था, तब तेज गेंदबाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस मैच में उन्होंने 5 ओवर में 8 रन देकर 5 विकेट लिए थे जबकि मैच में 36 रन देकर 9 विकेट। हेजलवुड ने पर्थ में भी मौजूदा श्रृंखला के तहत जोरदार शुरुआत की थी। उन्होंने पहली पारी में 29 रन देकर 4 विकेट लिए जिससे भारत 150 रन पर आउट हो गया था। दूसरी पारी में भी उन्होंने किफायती गेंदाबजी की और 21 ओवरों में केवल 28 रन ही दिए।

वहीं, शेफील्ड शील्ड में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद सीन एबॉट और ब्रेंडन डोगेट टीम में शामिल हो गए हैं। एबॉट ने बीते दिनों सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में तस्मानिया के खिलाफ 16 ओवरों में 71 रन देकर 4 विकेट लिए थे। उनके नाम पर 261 प्रथम श्रेणी विकेट हैं। डोगेट ने हाल ही में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट लिए थे। उन्होंने भारत ए के खिलाफ भी 15 रन देकर 6 विकेट लिए थे। डोगेट संयुक्त अरब अमीरात में पाकिस्तान के खिलाफ 2018 श्रृंखला के लिए टीम का हिस्सा थे, जबकि एबॉट को भारत के खिलाफ 2020-21 की घरेलू श्रृंखला के दौरान शामिल किया गया था और पिछले साल एशेज के दौरान रिजर्व थे।

फैशन में नए एक्सपेरिमेंट करते रहें

टीनेज की उम्र में हर कोई फैशन की तरफ अट्रैक्ट होता है। इस उम्र में आमतौर पर युवा कुछ न कुछ नए एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं। इस उम्र में आप अपनी पर्सनैलिटी और एटिट्यूट अपनी ड्रेसेज और एसेसरीज से एक्सप्रेस कर सकते हैं।

- **टी-शर्ट विद स्लोगन** : युवावस्था में अपना एटीट्यूट खुलकर समाने ला सकते हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका है, 80 के स्टाइल की ब्राइट कलर की स्लोगन लिखी टी-शर्ट पहनें। टी-शर्ट पर किसी भी तरह की आर्ट दर्शाई जा सकती है। चाहे वह आपका फेवरिट सुपर हीरो हो या वह लाइन जो आपके दिमाग में है।
- **बेसबॉल कैप्स** : कॉलेज में ज्यादातर सब ही लड़के कैप पहने हुए देखे जा सकते हैं। बेसबॉल कैप्स 90 के दशक में चर्चित हुई थी और अभी भी ट्रेंड में है। वह परफेक्ट एसेसरीज है और जींस और टी-शर्ट के साथ पहनी जा सकती है।
- **स्कार्फ्स** : मोटे निटेड वालों से लेकर ब्राइट रंग और पैटर्न वाले स्कार्फ हर वॉर्डरोब में जरूर होने चाहिए। यह वेस्ट पर या ब्रेसलेट की तरह हाथ पर बंधे हुए बहुत अच्छे लगते हैं।
- **जंक ज्वैलरी**: सड़क के किनारे लगी दुकानों पर आप थोड़ी बारगेनिंग में आपकी पसंदीदा ज्वैलरी मिल जाएगी। आजकल वैसे ब्राइट रंग के स्टोंस और नकली डायमंड रिंग भी पॉपुलर होती जा रही है। बीड्स भी टोन फैशन से कभी बाहर नहीं होते। आजकल ज्वैलरी पहनने में लड़के भी पीछे नहीं हैं। उन्हें एक बड़ा सिल्वर पेंडेंट या एक कान में इयरिंग पहनना अच्छा लगता है।
- **पोलका डॉट्स** : पोलका डॉट्स कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं जाते। लड़कियां एक वेल फिटेड पोलका डॉट ड्रेस हील्स के साथ पहन सकती हैं। यह यलो और ग्रीन कलर में बहुत ही फंकी लुक देते हैं। आप कॉलेज के लिए एक लॉन्ग पोलका प्रिंट टॉप लेनिग्स और फ्लैट्स के साथ पहन सकती हैं।
- **बेल्ट्स** : लंबी, छोटी, पतली, मोटी और सॉलिड रंगों में एम्बेलिशमेंट वाली बेल्ट हर टीन के बॉर्डरोब का एक अहम् हिस्सा होती है। बेल्ट अब बस पैंट या जींस के ऊपर रखने के लिए नहीं होती, बल्कि अब यह ड्रेसेज, लॉन्ग टी-शर्ट और ट्यूनिक्स के ऊपर भी पहनी जा सकती है।
- **मोबाइल फोन** : लेटेस्ट मॉडल होने के साथ-साथ उसके साथ सही एसेसरीज होना भी जरूरी है। मोबाइल केस, स्टिकर्स, मोबाइल हैगिंग्स सब फोन की पर्सनैलिटी बढ़ाते हैं।

लौट रहे हैं वाइब्रेंट कलर्स

फैशन वर्ल्ड में कलर्स का आना-जाना सामान्य बात है। लेकिन कुछ समय बाद पुराने वाइब्रेंट कलर्स लौटे हैं, जो बहुत ही सूदिंग लुक में हैं।

अपने डिफरेंट शेड्स के साथ यह कलर टीनेजर्स से लेकर सेलीब्रिटीज की पहली पसंद बना हुआ है। यहां तक कि फैशन डिजाइनर्स ने भी अपने कलेक्शन में इस बार जमकर इस रंग का प्रयोग किया है।

ताजगी भरा अहसास

बीच में कुछ समय गायब रहने के बाद लौटे इस कलर ने फैशन जगत में एक नई ताजगी भर दी है। इसलिए आप भी अपने वॉर्डरोब में छिपे इस वाइब्रेंट कलर को दोबारा बेखौफ होकर बाहर निकाल सकती हैं।

खुद करें चयन

यदि आपको ब्राइट यलो पसंद नहीं है, तो आप लाइट और सॉफ्ट यलो कलर्स को चुन सकती हैं। लेमन यलो और लाइट यलो कलर्स सभी पर फबेंगे। मिक्स-मैच कई लोगों के लिए सॉलिड यलो पहनना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में आप दूसरे रंगों के कॉम्बीनेशन के साथ इस रंग को पहन सकती हैं। यलो को लाइट ब्लू, बोल्ड ग्रीन, बेबी पिंक और व्हाइट के साथ आराम से मैच किया जा सकता है।

बच्चों में भी फैशन का क्रेज

फैशन की दौड़ में जब सारी दुनिया दीवानी हो रही है, तो भला बच्चे कैसे पीछे रह सकते हैं। बच्चों में भी अब फैशन का क्रेज आजकल हर जगह देखने को मिलता है, बच्चे जो स्वयं को कैसे फैशन के अनुसार ढालना चाहते हैं, इसे देखकर कभी-कभी फैशनेबल माता-पिता भी हैरत में पड़ जाते हैं। घर, स्कूल या पार्टी हो, सजी जगह बच्चे जमाने की चाल में चलना पसंद करते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं। मां-बाप भी फैशन के प्रति जागरुक होते जा रहे हैं, जो बच्चों को मेचिंग में रखना ही पसंद करते हैं, जैसे ड्रेस वैसे मौजे, जूते, रूमाल वगैरह-वगैरह।

खिलौने और गेम्स

नए खिलौने, गेम्स जो भी प्रचलन में होते हैं, बच्चों की फरमाइश पर हाजिर हो जाते हैं। जब बच्चे स्कूल जाना शुरू करते हैं, तब भी फैशन के बैग, कम्पास, पेंसिल, रबर लाकर ही दिए जाते हैं। उनके पास नहीं भी होते हैं, तो वे अपने दोस्तों के पास देखकर आकर्षित होते हैं और नई-नई चीजें लाने की मांग करते हैं। समय के साथ चलती यह जागरूकता ही कहिए जिससे वे स्वयं को अलग सा दिखाना चाहते हैं और अपने को नए रूप में स्थापित करना चाहते हैं। सबके आकर्षण का केंद्र बन सकें, दोस्तों के दिल में समां सकें, शिक्षकों व रिश्तेदारों की प्रशंसा पा सकें, इसलिए वे जमाने के नित नए फैशन को अपनाना चाहते हैं।

नए फैशन के मुरीद

वे सोचते हैं कि वर्तमान में जो फैशन चल रहा है, अगर उसे नहीं अपनाएंगे तो हम 'ओल्ड फैशन' की उपाधि से अलंकृत हो जाएंगे। लेकिन कई बार वे यह नहीं सोच पाते हैं कि जो भी फैशन चल रहा, उससे मां-बाप और निकटवर्ती लोगों में हमारी छवि कैसी बनेगी। यह भी है कि फैशन के इस दौर में फैशन के साथ चलने के लिए बच्चे ब्रांडेड कंपनी की वस्तुओं को ही ज्यादा पसंद कर रहे हैं। जैसे-जूते यदि ब्रांडेड कंपनी के हों चाहे वह कम पसंद आ रहे हैं और वहीं दूसरे (लोकल ब्रांड) जूते उससे कहीं अच्छे भी हों तो भी जागरुक बच्चे ब्रांडेड कंपनी के जूते ही पहनना पसंद करेंगे। इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता है।

जायका

पालक पनीर

सामग्री

पालक- 500 ग्राम, चीनी आधा छोटी चम्मच, पनीर- 200 ग्राम पनीर को चौकोर टुकड़ों में काट लें, रिफाइंड तेल- 2 टेबिल स्पून, हींग- 1-2 पिंच, जीरा-आधा छोटी चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, कसूरी मैथी- 2 छोटी चम्मच (डंडियां हटाकर प्रयोग करें), टमाटर- 2-3, हरी मिर्च-3-4, अदरक-1 इंच लम्बा टुकड़ा, बेसन- 2 छोटे चम्मच, क्रीम या मलाई- 2 टेबिल स्पून, लाल मिर्च- 1/4 छोटी चम्मच से कम (यदि चाहें), नमक- स्वादानुसार, गरम मसाला- एक चौथाई छोटी चम्मच, नींबू का रस- 2 छोटी चम्मच

बनाने की विधि

पालक की डंडियां तोड़कर हटा दीजिये, पत्तों को अच्छी तरह धोकर एक बर्तन में डालें, चौथाई कप पानी और चीनी डाल दीजिए, ढंककर उबालने रख दीजिए, 5-6 मिनट में पालक उबल जाता है। गैस बन्द कर दीजिये। पनीर के चौकोर टुकड़े काट लीजिए। आप पनीर को तलकर या बिना तले दोनों तरीके से तरी में डाल सकती हैं (पनीर को तलने के लिये नान स्टिक तवा गरम कीजिये, थोड़ा सा तेल डालिये और पनीर के टुकड़े तवे पर डाल कर दोनों ओर हल्का ब्राउन होने तक तल लीजिये) टमाटर को धोइए, टुकड़ों में काटिये। हरी मिर्च के डंठल तोड़िये, धोइये। अदरक को छीलिए, धोइए और 3-4 टुकड़े कर लीजिए। इन सबको मिक्सी से बारीक पीस लीजिये। कढ़ाही में तेल डाल कर गरम कीजिये। गरम तेल में हींग और जीरा डाल दीजिए।

जीरा भूनने के बाद, हल्दी पाउडर और कसूरी मैथी डालिए, अब बेसन डालकर थोड़ा सा भूनिए, अब इस मसाले में टमाटर, अदरक, हरी मिर्च का पेस्ट डाल दीजिए और मसाले को 2 मिनट भूनिए, अब क्रीम या मलाई डालिए और मसाले तब तक भूनिए, जब तक मसाले के ऊपर तेल न तैरने लगे। उबले पालक को ठंडा होने के बाद मिक्सी से बारीक पीसिए, पालक के पेस्ट को भूने हुए मसाले में मिलाएं। तरी में जितना चाहें गाढ़ी या पतली रखना है, पानी और नमक डाल दीजिए, उबाल के बाद पनीर के टुकड़े डालें, 2-3 मिनट पकाइये।

पालक पनीर की सब्जी तैयार है। पालक पनीर की सब्जी में गरम मसाला और नींबू का रस मिला दीजिये।

वेडिंग सीजन में फैशन ट्रेंड

ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन लगे और शादियों का फैशन फोरकास्ट न किया जाए, ऐसा कैसे हो सकता है? इस एग्जीबिशन से निकले कौन से ट्रेंड इस बार शादियों में आपको दिखाई देने वाले हैं। जिससे चार चांद लग जाएं।

ढोल और नगाड़ों का मौसम शुरू हो गया है। शामियाने सजने लगे हैं। शादियाने बजने लगे हैं। यानी वेडिंग सीजन की शुरुआत हो गई है। आइए एक नजर डालें इस बार के वेडिंग ड्रेसेज के आने वाले नए ट्रेंड पर:

मेरा वाला पिंक चाहिए!: पिंक को कलर ऑफ द सीजन कहना गलत न होगा। अगर आपने ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन देखी होगी तो गौर किया होगा कि हर कोने, हर जर्रे में यही रंग बिखरा हुआ था। कहीं बेबी पिंक के रूप में सादगी सी खूबसूरती का बायस बना था तो कहीं मजेंटा पिंक के रूप में तड़कता-भड़कता ग्लैमर नजरों को लुभा रहा था। न सिर्फ परिधान बल्कि ज्वैलरी, एसेसरी और फुटवियर तक में पिंक रंग चमकेगा। फैशन डिजाइनर जया राठौड़ की मानें तो शादी के परिधानों के लिए पिंक लहंगे या साड़ी को सुनहरे तारों से बुना जाएगा, जिससे पिंक में गोल्ड इफेक्ट आए या फिर इसके साथ मोव रंग की जुगलबंदी की जाएगी, ताकि रॉयल अहसास महसूस हो। ज्वैलरी को भी पिंक स्टोन से हाइलाइट किया जाएगा।

घेर वाले परिधान: ब्राइडल एशिया में डिजाइनरों ने जिस चीज पर सबसे ज्यादा फोकस किया, वह थी वेस्टलाइन। यानी कमर पर से फिट ड्रेस। ब्राइडल गाउन हों या अनारकली कुर्तियां या फिर लहंगे। हर परिधान की खासियत है कि उसे कमर से फिट रखा जाता है। उसके बाद ढेर सारा घेर देते हुए खुला छोड़ दिया गया था। ये सारे परिधान फेमिनिटी को उभारने की पूरी कोशिश कर रहे थे।

फैशन डिजाइनरों के मुताबिक, इस बार शादियों में इंडोवेस्टर्न का जलवा दिखेगा। डिजाइनर भारतीय फैब्रिक से भारतीय परिधान बनाएंगे। उन पर कढ़ाई भी भारतीय रहेगी, मगर उसे शेप और कट से वेस्टर्न लुक दिया जाएगा। वेस्टलाइन को हाइलाइट करने के लिए जहां लेस, जरी और स्टोन का इस्तेमाल किया जाएगा, वहीं घेरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए फ्रिल, नेट और जरी का इस्तेमाल किया जाएगा।

चोली कट और जैकेट : इस वेडिंग सीजन में अपर वियर यानी लहंगे के ऊपर पहनने वाले परिधानों में खूब वैरायटी दिखाई देगी। अगर आप ग्लैमरस लुक चाहती हैं तो आपके लिये बैकलेस शॉर्ट चोली बेहतर रहेगी। अगर आप एलिगेंस लुक चाहती हैं तो नेहरू कॉलर कमर तक की या घुटने वाली लेंथ वाली जैकेट ट्राई कर सकती हैं। इस बाबद जया बताती हैं चोली तो पहले से चलन में है, मगर जैकेट ने इस बार वापसी की है।

घर की खिड़कियों को खूबसूरत बनाएं

घर की खिड़कियों की आपके कमरे के लुक और फील को बढ़ाने में अहम भूमिका होती है। जाहिर-सी बात है कि दीवारों को उचित रंग देने के बाद खिड़कियों को सजाने के बारे में आप सोचेंगी। अपने कमरे की खिड़कियों को खूबसूरत और कूल बनाना चाहती हैं, तो परदों के रंग, रॉड और फैब्रिक की खूबसूरती पर जरूर गौर फरमाएं।

रंग-बिरंगे रेशमी परदे

परदे का रंग आपके कमरे के डेकोर से मेल खाता होना चाहिए। अतः कमरे के लिए परदे का चयन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें। साधारण से कमरे में हल्के रंगों के परदे और बड़े कमरे के लिए हैवी लुक वाले स्टाइलिश परदे परफेक्ट हैं। कमरे में खिड़की की सजावट का एक बहुत आसान तरीका परदे में रिबन या गांठ बांधना भी है। आप इसे घर में भी बना सकती हैं।

प्रिंटेड और प्लेन परदे

प्रिंटेड और प्लेन परदे को मिलाकर खिड़कियों पर लगाएं। इससे अच्छा लुक आएगा। सार्टन की कोई पुरानी साड़ी हो, तो आप लैस लगाकर परदा तैयार कर सकती हैं या फिर कुशन कवर भी बना सकती हैं। सोफा व कुशन कवर का चयन भी परदे के रंग से मैच करता हुआ ही खरीदें। इन दिनों हरे रंग का कॉम्बीनेशन ज्यादा डिमांड में हैं।

लाइट व डार्क परदे

ऑफिस हो या घर आप अपने मनपसंद के अनुसार पर्दे खरीद सकते हैं। ऑफिस में लाइट कलर के व घरों में डार्क कलर के पर्दे सुंदर व आकर्षक लगते हैं। दोनों में ही कलर व डिजाइन एक से बढ़कर एक आ रहे हैं। इसमें 50 रुपये से 300 रुपये प्रतिमीटर की रेंज उपलब्ध है।

परदे को रॉयल लुक दे कर्टन रॉड

कर्टन रॉड का इस्तेमाल परदों को हैंग करने के लिए किया जाता है। घर में यदि डिजाइनर कर्टन रॉड लगे हों, तो कमरों की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। आजकल कर्टन रॉड की कई रेंज मार्केट में उपलब्ध हैं। इनमें रंगों की वैरायटी में देखने को मिल जाएगी, फिर भी सफेद, डार्क ब्राउन और ब्लैक रंग की ज्यादा डिमांड है। ये लकड़ी, एल्युमिनियम, आयरन, फाइबर के अलावा प्लास्टिक में भी उपलब्ध हैं। इन दिनों स्टील और मेटेलिक सर्फेस के लिए मैग्नेटिक कर्टन रॉड में मिल रहे हैं। ऐसे रॉड को दीवारों से लगाने के लिए ड्रिलिंग की जरूरत नहीं पड़ती। परदे के हिसाब से रॉड का चुनाव करें, ताकि परदे का वजन रॉड आसानी से उठा सके। यदि हैवी परदे लगाने हों, तो रॉड का मैटेरियल भी उसी के हिसाब से खरीदें।

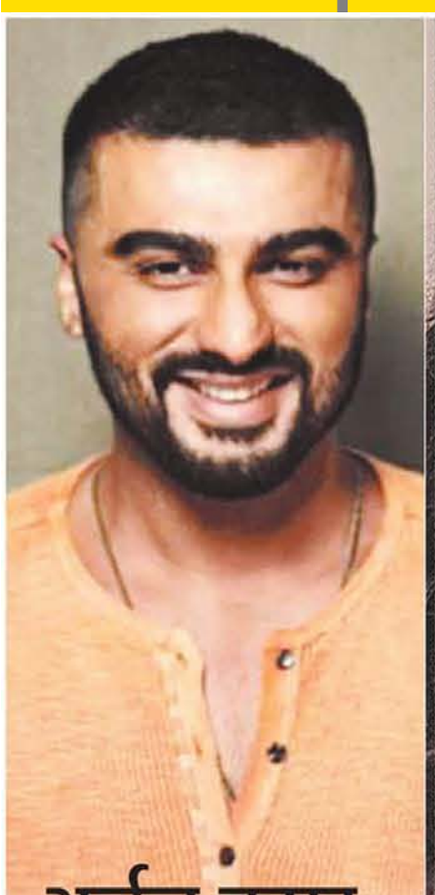

अर्जुन कपूर ने जान्हवी को बताया अपने ज्यादा करीब

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म सिंघम अगेन के लिए चर्चा बटोर रहे हैं। इस बीच उन्होंने अपनी दोनों बहनों के साथ अपने बॉन्ड पर बात की है। इसमें उन्होंने बताया है कि कैसे बीते कुछ वर्षों में बहनों के साथ उनका रिश्ता विकसित हुआ है। इस दौरान उन्होंने खुशी और जान्हवी को बहुत अच्छे तरीके से पाले गए बच्चे बताया है। अभिनेता ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में आए दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों की वजह वो अपनी बहनों के करीब आए और अब एक-दूसरे की ताकत बन चुके हैं। गैलाटा इंडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, यह खास रहा है, लेकिन जिस तरह से यह हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं अपने सबसे बुरे दुश्मन के लिए भी यह नहीं चाहूंगा। मेरी जिंदगी का हर अच्छा पल जान्हवी और खुशी के बिना अधूरा है। उन्होंने आगे कहा कि खुशी बिना पूछे ही उनकी फिल्म देखने चली गई, जिससे उन्हें महसूस हुआ कि वो उनकी काफी परवाह करती हैं। अर्जुन कपूर ने बताया कि वो जान्हवी कपूर के ज्यादा करीब हैं, क्योंकि दोनों की उम्र में बहुत कम अंतर है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जान्हवी और खुशी दोनों ही उनका हौसला बढ़ाती हैं और इस पेशे को समझती हैं, क्योंकि वो इसका हिस्सा हैं। अभिनेता ने कहा,वो दोनों मेरे पीछे बहुत मजबूती से खड़ी हैं और मुझे पता है उन्हें ऐसा लगता है कि मैं उनका ख्याल रखने वाला भाई हूं। हालांकि, ऐसे पल भी आते हैं जब आप कमज़ोर भी होते हैं। जान्हवी ने मेरा वह कमजोर पक्ष देखा है।

मुझे अपनी पसंद के किरदार पाने के लिए अभी और कामयाबी पानी है

अपने बूते सब कुछ पा लेने की जिद रखने वाली अभिनेत्री सैयमी या सैयामी खेर नहीं, इनका नाम संयमी खेर है। संयमी जल्द ही अमेजन प्राइम पर प्रसारित होने वाली फिल्म 'अग्नि' में नजर आने वाली हैं।

फिल्म 'अग्नि' के सेट पर तो सारे कलाकारों और तकनीशियनों में आप ही सबसे फिट रही होंगी?

आप शायद आयरनमैन रेस से इसे जोड़ रहे हैं। वह मेरा पसंदीदा खेल है और यहां फिल्म की शूटिंग की जरूरतें अलग रहीं। इस किरदार के लिए हमें अलग से ट्रेनिंग मिली। हमने खूब मेहनत की। असल जिंदगी के फायरफाइटर्स के साथ दिन बिताए और इस सबको करते हुए समझ आया कि इस पेशे के बारे में अब तक सिनेमा का कैमरा न घूमना हम सबके लिए शर्म की बात है।

और, मैराथन दौड़ना या कहें कि सिर्फ दौड़ना आपने शुरू किया पहली बार दिल टूटने के बाद?

मैराथन दौड़ना एक तरह से मेरा नशा बन चुका है। जो लोग मुझे करीब से जानते हैं, वे ये भी जानते हैं कि मैंने कब और क्यों दौड़ना शुरू किया? काफी पहले की बात है ये। कॉलेज के दिनों की। मेरा किसी से मन लगा हुआ था और उसने मेरा दिल तोड़ दिया। पहला हार्ट ब्रेक बहुत मुश्किल होता है और मैंने इससे उबरने के लिए दौड़ना शुरू कर दिया। अब मेरी हर मुश्किल का एक ही इलाज है, दौड़ना।

परिवार का साथ मनोरंजन की दुनिया में काम करने वालों के लिए कितना जरूरी है?

मनोरंजन की दुनिया में टिके रहना आसान नहीं हैं। यहां स्वीकृतियों से ज्यादा हमारा सामना नकारे जाने से होता है। ऐसे में कलेजा मजबूत न हो तो वह बैठने लगता है। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है। लेकिन, मेरा मानना है कि घरवालों का साथ हो तो फिर कोई भी मानसिक स्थिति हो, हमें उबरने में मदद मिल ही जाती है।

महज 10 साल में आपने हिंदी सिनेमा के दिग्गज निर्देशकों के साथ काम कर लिया है, अब आगे की विशलिस्ट क्या है?

मुझसे अक्सर लोग पहुंचते हैं कि अभिनय शुरू करने के समय जो सोचा था, उससे तो मैं कहीं आगे निकल आई हूं? लेकिन, मेरा मानना है कि मुझे अपनी पसंद के किरदार पाने के लिए अभी और कामयाबी पानी है। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अनुराग कश्यप, नीरज पांडे, आर बाल्की और राहुल ढोलकिया जैसे निर्देशकों का साथ मिला। लेकिन, मैं लालची कलाकार हूं। अब भी मेरे जहन में तमाम किरदारों की और तमाम निर्देशकों की एक विशलिस्ट बनती रहती है।

काम्या पंजाबी ने किया बिग बॉस कंटेस्टेंट करणवीर मेहरा का समर्थन

बिग बॉस 18 सबसे लोकप्रिय रियलिटी शो में से एक है। प्रतियोगियों के बीच लगातार झगड़े और ड्रामा दर्शकों का मनोरंजन करते रहते हैं। हाल ही में, ईशा सिंह को करणवीर मेहरा से जुड़ी एक घटना को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए ट्रोल किया गया था। बिग बॉस की पूर्व प्रतियोगी काम्या पंजाबी ने अपने विचार साझा किए और करणवीर मेहरा का समर्थन किया। एक्स पर काम्या पंजाबी ने लिखा, कहां से आए हैं ये लोग, ये कौन सा रूल है, प्रॉम्प्ट नहीं कर सकते? कोई शक नहीं कि ईशा बहुत खुश थी. जैसे ही संचालक का नाम अनाउंस हुआ.. लेकिन मुझे सच में लगा कि अविनाश फेयर रहेगा। उसने ईशा को झूठा भी कहा। अरे अरे ईशा इतना झूठ ... वो भी नेशनल टेलीविजन पर।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टाइम गॉड टास्क के दौरान, ईशा सिंह ने करण वीर मेहरा से बात की। उसने उसे अपने बगल में आने और बैठने के लिए कहा, जिस पर उसने यह कहते हुए मना कर दिया कि वह उसे सस्ता कहना शुरू कर देगी। बाद में, ईशा ने सीन को घुमाया और अविनाश, रजत दलाल और बाकी साथियों को बताया कि करण वीर मेहरा ने कहा कि अगर वह उसके बगल में बैठ गया तो वह सस्ता हो जाएगा। बिग बॉस 18 के नवीनतम टास्क में, भूतपूर्व टाइम गॉड विवियन डीसेना, रजत दलाल और दिग्विजय राठी को नए दावेदारों के भाग्य का निर्धारण करने की शक्ति दी गई थी। उन्हें उन प्रतियोगियों की छवि को नष्ट करना था, जिन्हें वे खिताब के लिए अयोग्य मानते थे। विवियन ने करण वीर मेहरा और श्रुतिका अर्जुन को बाहर कर दिया, जबकि दिग्विजय ने कशिश कपूर को बाहर कर दिया। संचालक के रूप में काम कर रहे अविनाश मिश्रा ने सुनिश्चित किया कि कार्य निष्पक्ष रूप से संचालित हो। टाइम गॉड टास्क के अलावा, बिग बॉस 18 के प्रतियोगियों को एक हाई-स्टेक नॉमिनेशन टास्क का सामना करना पड़ा, जिसमें उनके रिश्तों की परीक्षा हुई। तजिंदर बग्गा, श्रुतिका अर्जुन, सारा अरफीन खान, विवियन डीसेना, अविनाश मिश्रा, करण वीर मेहरा और कशिश कपूर इस हफ्ते एलिमिनेशन के लिए नॉमिनेट हुए हैं।

साउथ की हिट फिल्म 'गैंग लीडर' के रीमेक में नजर आएंगे सैफ अली खान

सैफ अली खान इन दिनों कुछ बड़ी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। इन फिल्मों में रेस 4 जैसी फिल्म भी शामिल है। अब सुनने में आया है कि वह दक्षिण भारतीय फिल्म का रीमेक भी कर सकते हैं। कौन सी है वह फिल्म जानिए?

अभिनेता नानी की है फिल्म

जिस फिल्म के रीमेक में सैफ अली खान काम कर सकते हैं वह शायद दक्षिण भारतीय अभिनेता नानी की फिल्म हो सकती है। इस फिल्म में नानी ने एक्शन के साथ कॉमेडी भी की। इस तरह से देखा जाए तो सैफ अगर इस फिल्म के लिए फाइनल होते हैं तो वह भी एक्शन के साथ कॉमेडी करते हुए दर्शकों को नजर आएंगे। नानी की इस फिल्म का नाम 'गैंग लीडर' बताया जा रहा है। यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

पहले भी कर चुके हैं कॉमेडी-एक्शन फिल्में

एक्शन में तो सैफ अली खान खूब अच्छे लगते हैं। साथ ही कई फिल्मों में उन्होंने कॉमेडी भी की है। इन फिल्मों में 'भूत पुलिस' और 'गो गोवा गोन' शामिल हैं। कई फिल्मों में इमोशनल रोल के साथ उन्होंने कॉमेडी भी की, जिसमें लव आज कल जैसी फिल्म शामिल रही।

सुपरवुमन का किरदार करने की इच्छा है

हिंदी फिल्म 'हीरोपंती' से फिल्म जगत मे कदम रखने वाली कृति सैनन की पहचान मुंबई में मैडॉक गर्ल के रूप में रही है। कृति कहती हैं, जब से मैं यहां आई हूं, इंडस्ट्री ने मेरा बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया है। बेशक, जब आप किसी फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं होते हैं, तो आपको वहां पहुंचने में समय लगता है। आपको उन अवसरों को पाने में समय लगता है, जिनकी आपको चाहत होती है। आपको उन मैगजीन कवर पर आने में भी समय लगता है। इसलिए सब कुछ थोड़ा संघर्षपूर्ण है। लेकिन 2-3 फिल्मों के बाद, अगर आप कड़ी मेहनत करते रहें और अगर आप इसमें लगे रहें, तो कोई भी आपको रोक नहीं सकता। अभिनय का सर्वोच्च सम्मान यानी राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार दिलाने वाली फिल्म 'मिमी' के बारे में कृति सैनन ने कहा कि फिल्म'मिमी' उनके अभिनय करियर में अब तक का सबसे साहसिक विकल्प रहा और उस जोखिम का उन्हें अच्छा परिणाम भी मिला। कृति कहती हैं, मुझे कई लोगों ने इस फिल्म (मिमी) को न चुनने की सलाह दी थी। उन्हें डर था कि मुझे एक ऐसे अभिनेता का लेबल दिया जाएगा जो आर्ट हाउस फिल्मों को पसंद करता है और इससे मेरे पास आने वाले अन्य प्रोजेक्ट प्रभावित होंगे। फिर भी, मैंने इसे चुना क्योंकि इस स्क्रिप्ट ने मेरे दिल को छू लिया। और प्रोजेक्ट चुनते समय यह कारक सबसे अधिक मायने रखता है। भविष्य में एक सुपरवुमन का किरदार और कोई नकारात्मक किरदार निभाने की इच्छा जाहिर करते हुए कृति कहती हैं, फिल्म 'दो पत्ती' में मेरी भूमिका कई परतों वाली रही है। फिल्म का घरेलू हिंसा का विषय भी मार्मिक है। फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में सीधे-सादे रोबोट की भूमिका निभाना उनके लिए मुश्किल था और उस भूमिका को लोगों ने खूब सराहा।

पुष्पा 2 के कार्यक्रमों फहद फासिल की अनुपस्थिति पर अल्लू अर्जुन ने तोड़ी चुप्पी

पुष्पा 2 द रूल अपनी रिलीज से अब कुछ ही दिन दूर है। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना हाल ही में कोच्चि में एक कार्यक्रम में पहुंचे, जहां अभिनेता ने फहद फासिल की अनुपस्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

अल्लू अर्जुन ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि फहद फासिल के साथ काम करना एक यादगार अनुभव था। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपने सह-कलाकार की कमी महसूस हो रही है, काश वे दोनों साथ में केरल में मंच साझा कर सकते। अल्लू अर्जुन ने कहा, यह एक यादगार पल होता। उन्होंने फहद फासिल का धन्यवाद करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दर्शकों से कहा कि फाफा (फहद फासिल) ने पुष्पा 2 में शानदार काम किया है। साथ ही, उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि वह पूरी दुनिया में मलयाली दर्शकों को गर्व महसूस कराएंगे।

तारीफ में कही यह बात

अल्लू अर्जुन ने कहा, मेरे सभी फिल्मों में यह पहली बार है जब मैंने एक बेहतरीन मलयाली अभिनेता, हमारे फाफा के साथ काम किया। आज सच में मुझे उन्हें देखकर अच्छा लगता। मुझे सच में लगता है कि काश हम दोनों आज केरल में एक साथ खड़े होते।

रश्मिका को कहा नेशनल क्रश

इस इवेंट के दौरान अल्लू अर्जुन ने रश्मिका मंदाना की भी खूब तारीफ की। उन्हें नेशनल क्रश बताते हुए उन्होंने कहा कि रश्मिका अपनी अभिनय से एक बार फिर से पूरे देश का दिल जीतने वाली हैं। उन्होंने रश्मिका को अपनी अपनी श्रीवल्ली भी कहा और यह बताया कि इस बार हर कोई उनकी एक्टिंग को सराहेगा।

रश्मिका के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

अल्लू अर्जुन ने यह भी साझा किया कि रश्मिका पिछले तीन वर्षों से उनके साथ काम करने वाली एकमात्र अभिनेत्री रही हैं। अभिनेता ने कहा, आप ही मेरी वह हीरोइन हैं, जिन्हें मैंने सेट पर देखा है। आप मेरे लिए घर के सदस्य की तरह बन गई हैं। आपके साथ काम करना बहुत आरामदायक है। आप मुझे घर जैसा महसूस कराती हैं। आपकी मदद के बिना, पुष्पा संभव नहीं होता। सुकुमार के निर्देशन में बनी फिल्म पुष्पा 2 द रूल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अनन्या ने बताया स्टार किड होने का दुख

अनन्या पांडे कुछ समय पहले एक वेब सीरीज 'कंट्रोल' में नजर आई। यह फिल्म सोशल मीडिया के स्याह पक्ष को दिखाती है। इसमें अनन्या ने अपने रोल को बखूबी निभाया है। कई लोगों का मानना है कि अनन्या को इतनी अच्छी फिल्में और वेब सीरीज इसलिए मिलती हैं, क्योंकि वह एक स्टार किड हैं। जबकि सच्चाई यह नहीं है। इसी परेशानी के बारे में हाल ही में अनन्या ने एक इंटरव्यू में बताया।

लोग स्टार किड को शर्मिंदा करते हैं

अनन्या पांडे ने हालिया दिए गए इंटरव्यू में स्टार किड होने से जुड़ी समस्याओं पर बात की। वह कहती हैं, 'मेरे पिता ने कड़ी मेहनत की और अपने लिए एक मुकाम बनाया है। वह एक डॉक्टर परिवार से आते हैं लेकिन उन्होंने एक्टर बनने का सोचा और ऐसा करके भी दिखाया। मुझे उनके कारण शर्मिंदा होने की जरूरत नहीं है।' वह आगे कहती हैं कि लेकिन लोग हमें देखते हैं और कहते हैं कि यह तो स्टार किड है। ऐसा नहीं कहना चाहिए।

आउटसाइडर को कोई टैग नहीं मिलता

वह इसी इंटरव्यू में आगे कहती हैं कि स्टार किड्स पर लोग आसानी से टैग लगा देते हैं। वहीं वह मानती हैं कि आउटसाइडर पर कोई टैग नहीं लगाया जाता है। अनन्या यह भी कहती हैं कि लोगों ने इंडस्ट्री को दो भागों में बांट दिया है, एक तरफ स्टार किड हैं और दूसरी तरफ आउटसाइडर। जबकि ऐसा करना बिल्कुल सही नहीं है।

कोंडली और बंदौली में अवैध अतिक्रमण देख भड़के सीईओ, हटाने के दिए निर्देश

सेक्टर-124 में पजल पार्किंग एवं कॉमर्शियल गतिविधियों का प्रस्ताव बनाने को कहा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. लोकेश एम ने वर्क सर्किल-10 में कराए जा रहे जन स्वास्थ्य एवं उद्यान विभागा से संबंधित कार्यों के निरीक्षण के दौरान ग्राम कोंडली और बंदौली में खाली भूखंडों पर अवैध रूप से मार्किट और चारदीवारी बनाए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खाली जमीन पर बनाए गए अवैध मार्किट को हटाकर नोएडा प्राधिकरण का बोर्ड लगाया जाए।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने प्राधिकरण के महाप्रबंधक एसपी सिंह, परियोजना अभियंता जन स्वास्थ्य द्वितीय आर.के. शर्मा के साथ वर्क सर्किल-10 का दौरा किया। इस दौरान सीईओ ने सेक्टर-124 में पजल पार्किंग एवं व्यवसायिक गतिविधियों को शामिल करते हुए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने एमिटी यूनिवर्सिटी एवं एक्सप्रेसवे के बीच ग्रीन बेल्ट में पौधे लगाने तथा एमिटी यूनिवर्सिटी के पास फुटपाथ को ठीक करने, सड़क के किनारे लगी टाइलों को ठीक करने तथा गोल चक्कर चौराहे के सौन्दर्यीकरण के निर्देश दिए।

सीईओ ने एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-44 व 125 के कीच सेंट्रल वर्ज की दीवारों की उचित सफाई तथा ग्रेनाईट स्टोन की पॉलिश कराने के भी निर्देश दिए। सीईओ ने एक्सप्रेसवे पर चरखा टी प्वाइंट के चारों तरफ गिरे हुए स्टोन पिलर को ठीक करने को कहा। इसके साथ ही एक्सप्रेसवे सर्विस रोड पर लगे पेड़ों की ट्रमिंग, सेक्टर-157 के पास टीसीएस कंपनी के साथ औद्योगिक सेक्टर में प्रवेश करने वाले मार्ग को ठीक करने के निर्देश भी दिए। सीईओ ने ग्राम कोंडली के समीप मुख्य मार्गों एवं खाली भूमि पर अवैध रूप से बनाए गए मार्किट को हटाने के लिए भी अधिकारियों को कहा। इसके साथ ही ग्राम बंदौली के मुख्य मार्ग के साथ खाली पड़े भूखंड पर अतिक्रमण कर चारदीवारी के निर्माण पर नाराजगी जताई और उसे हटाने के निर्देश दिए।

सीईओ ने एक्सप्रेसवे के साथ सेक्टर-153 व 154 के पास पानी भरा हुआ पाया। उन्होंने मुख्य नाले का मिलान हिंडन नदी से मिलाप का प्रस्ताव 7 दिन में करने के निर्देश दिए।

अखिलेश का ऐलान

संभल हिंसा में मृतकों के परिजनों को देंगे 5-5 लाख

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा में मारे गए लोगों के परिजन समाजवादी पार्टी पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद करेगी। सांसद रुचि वीरा ने बताया कि मृतकों के परिजन के साथ पार्टी की संवेदनाएं हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने परिजन की मदद करने की घोषणा की है।

सहायता राशि परिजन को जल्द ही उपलब्ध कराई जाएगी।

यही नहीं समाजवादी पार्टी की मांग है कि सरकार मृतकों के परिजन को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक मदद करे। आपको बताते चलें कि बीती 24 नवंबर को मस्जिद सर्वे के दौरान संभल में बवाल हो गया था। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी। कई लोग घायल हुए थे। यहां तक कि डिप्टी एसपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गए थे। इसके बाद से वहीं पर स्थिति तवनाव पूर्ण है। दूसरी तरफ मामले में राजनीति भी खूब हो रही है।

ग्रेटर नोएडा के डेल्टा-2 मार्केट में दुकानदारों और उपभोक्ताओं के बीच प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्लास्टिक विरोधी अभियान चलाया गया। नागरिकों को हरित और अधिक टिकाऊ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

14 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाएं : न्यायाधीश सक्सेना

गौतमबुद्धनगर। आगामी 14 दिसंबर को जनपद मुख्यालय, दीवानी न्यायालय एवं तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत एवं आगामी 5 जनवरी 2025 को जनपद में वृहद विधिक साक्षरता/सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा।

जनपद न्यायाधीश अवनीश सक्सेना ने जनपद न्यायालय के सभा कक्ष में संबंधित विभाग अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक करते हुऐ कहा कि आगामी 14 दिसंबर 2024 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी संबंधित मामले, वैवाहिक एवं पारिवारिक झगड़े, दाखिल खारिज भूमि के पट्टे, बेगार श्रम संबंधित मामले, शमनीय प्रकृति के फौजदारी मामले, बैंक ऋण संबंधित मामले, राजस्व संबंधित मामले, वन भूमि संबंधित मामले, भूमि अर्जन से संबंधित मामले, मोटर वाहन दुर्घटना मुआवजा संबंधित दावे तथा अन्य मामलों का निस्तारण पक्षकारों की सहमति व आपसी समझौते के माध्यम से किया जायेंगा। मामलों के निस्तारण के लिए पक्षकार संबंधित न्यायालय में संपर्क कर सकते हैं या राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला न्यायालय एवं कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर या कार्यालय मोबाइल नंबर 9716535451, 8178508431या उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ का टोल फ्री नंबर 18004190234 पर संपर्क किया जा सकता है।

जनपद न्यायधीश ने बैठक में तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा कि कहा कि आम नागरिकों को सुलभ एवं शीघ्रता के साथ न्याय दिलाने के उद्देश्य से निरंतर स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने नगर मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्रा से कहा कि उनके द्वारा राजस्व विभाग तथा अन्य उनके अधीनस्थ समस्त विभागों के अधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कराने के उद्देश्य से अभी से तैयारी सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर अपर जिला जज /त्वरित न्यायालय-I/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत गौतम बुद्ध नगर रणविजय प्रताप सिंह, अपर जिला जज/सचिव(पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर ऋचा उपाध्याय, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला मनोरंजन कर अधिकारी जेपी चंद, जिला पूर्ति अधिकारी ओम हरि उपाध्याय एवं अन्य सम्बन्धित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वाति मालीवाल ने सीएम आतिशी पर साधा निशाना

नोएडा (चेतना मंच)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कालकाजी विधानसभा का दौरा किया। दौरे के बाद स्वाति ने सीएम आतिशी पर निशाना साधा है।

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा कि आज दिल्ली की हालत बहुत बदहाल हो चुके हैं। आप किसी अमीर कॉलोनी में चले जाइए या किसी गरीब बस्ती में, हर जगह सड़कें टूटी पड़ी हैं, कूड़े के बड़े-बड़े पहाड़ इकट्ठा हो गए हैं। मैं कालकाजी विधानसभा गई, जो मुख्यमंत्री का अपना विधानसभा क्षेत्र है। वहां हालात इतने खराब हैं कि सारी सड़कें टूटी पड़ी हैं।

आगे कहा कि हर दिन कई बुजुर्ग और बच्चे गिर रहे हैं। वहां की हालत इतनी खराब है कि अगर कोई महिला गर्भवती हो या किसी को मेडिकल इमरजेंसी हो जाए तो एंबुलेंस तक अंदर नहीं आ रही। मैं पिछले 20 सालों से दिल्ली में जमीन पर काम कर रही हूं, मैंने आज तक ऐसे हालात नहीं देखे कि मुख्यमंत्री जो कि बहुत लंबे समय तक पीडब्ल्यूडी मंत्री रही हैं, उनके अपने विधानसभा क्षेत्र का इतना बुरा हाल है।

सड़कें टूटी फूटी पड़ी है और हर दिन लोग घायल हो रहे हैं। ये हाल तब है जब मैडम खुद मुख्यमंत्री और PWD मंत्री भी हैं। लोग नर्क की जिंदगी जी रहे हैं।

स्वाति ने आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें अपने विधानसभा के लोगों से जाकर मिलना चाहिए और उनका दर्द समझना चाहिए और उन्हें राहत पहुंचानी चाहिए। अगर वे अपने विधानसभा क्षेत्र की स्थिति नहीं सुधार सकती तो ये बाकी दिल्ली को कैसे ठीक करेंगी।

दादरी में फायरिंग करने वाले 10 दबंग गिरफ्तार

दादरी। दादरी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मायचा में निर्माण कार्य के ठेके को लेकर हुई मारपीट और

फायरिंग की घटना के संबंध में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 1 पिस्टल 32 बोर व 1 जिन्दा कारतूस 32 बोर बरामद हुआ है।

आपको बता दें कि बीते शुक्रवार को ग्राम मायचा में निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। जिसमें गाली-गलौज, मारपीट और फायरिंग की घटना सामने आई थी। इस दौरान एक व्यक्ति, राहुल घायल हो गया था। राहुल के खिलाफ पूर्व में भी थाना दादरी में मामला दर्ज है। इनकी पहचान सुमित भाटी, सोनू भाटी, अनुज, गौरव नागर, सुधीर बिधूड़ी, नीरज भाटी, रकम सिंह, नवीन भाटी, विशाल भाटी, पप्पू उर्फ श्याम सिंह आरोपी पप्पू उर्फ श्याम सिंह की निशानदेही पर पिस्टल और कारतूस बरामद किया गया हुआ। अभियुक्तों के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। नवीन भाटी और पप्पू उर्फ श्याम सिंह पर कई गंभीर धाराओं में केस लंबित हैं।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

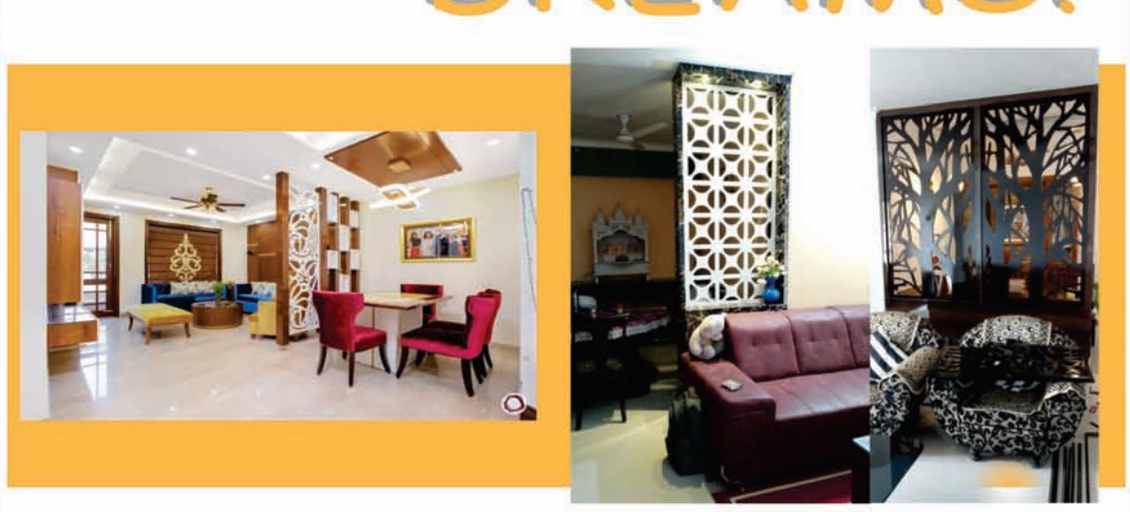

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

'आप' ने चलाया विशेष सफाई अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पार्क, सेक्टर 37, नोएडा में आज एक विशेष सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सार्थक रूप दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व आम आदमी पार्टी गौतमबुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जी की प्रतिमा की सफाई और माल्यार्पण से हुई। इसके बाद पार्क और आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया। जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। डॉ. अम्बेडकर के आदर्श हमें समाज को स्वच्छ, सुंदर और सशक्त बनाने की प्रेरणा देते हैं। स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनना चाहिए।

इस अभियान में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। पश्चिम प्रांत उपाध्यक्ष दिशा चैम्बर, जिला महासचिव कैलाश शर्मा, जिला संगठन मंत्री प्रशांत रावत, जिला उपाध्यक्ष मनोज यादव, जिला उपाध्यक्ष मुन्ना गुप्ता, जिला सचिव

प्रवीन धिमान, जिला सचिव जयकिशन जायसवाल, जिला सचिव प्रदीप सुनैया, करण मास्टर, विजयपाल यादव, करण कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।